INS ACCREDITED
यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
Email: info@unicomadvertising.com
www.unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

डीएवीपी (केन्द्र सरकार) द्वारा मान्यता प्राप्त-134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026—28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
www.uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-230 | सांध्य दैनिक | मथुरा/आगरा संभाग, बुधवार, 14 अक्टूबर 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

447 गरीब परिवारों को मिलेगी पक्की छत, बनेंगे आवास

चौमुंहा ब्लाक को सर्वाधिक 78 और मांट को मिले 17 आवास

जल्द ही बीडीओ के निर्देशन में होगा पात्र लाभार्थियों का चयन

यूनिक समय, मथुरा। कच्चे मकान या जर्जर छत के नीचे गुजर-बसर कर रहे गरीब ग्रामीणों के लिए यह राहत की खबर है। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत जिले में 447 नए आवास बनाने का लक्ष्य मिला है। इसके तहत पात्र परिवारों को पक्का मकान बनाने के लिए सरकारी सहायता दी जाएगी। शासन से लक्ष्य मिलने के बाद अब जिला ग्राम्य विकास अभिकरण ने लाभार्थियों के चयन की प्रक्रिया शुरू करने की तैयारी की है।

जिले में पीएम आवास निर्माण का लक्ष्य सभी संबंधित ब्लॉकों को आवंटित किया गया है। इसमें चौमुंहा ब्लॉक को सर्वाधिक 78 आवास मिले हैं, जबकि बल्देव को 73 और नंदगांव को 65 आवास बनाने का लक्ष्य दिया गया है। छाता और फरह ब्लॉक में 55-55, राया में 33, गोवर्धन में 27 और मथुरा ब्लॉक में 20 आवास बनेंगे। मांट ब्लॉक को सबसे कम 17 आवासों का लक्ष्य मिला है।

जिला ग्राम्य विकास अभिकरण के परियोजना निदेशक एके उपाध्याय ने बताया कि शासन से जिले के लिए 447 आवासों का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। खंड विकास अधिकारियों के निर्देशन में पात्र लाभार्थियों को चिन्हित किया जाएगा। इसके बाद चयनित लोगों का सत्यापन कराया जाएगा, ताकि योजना का लाभ वास्तविक जरूरतमंद परिवारों तक पहुंच सके।

पात्र ग्रामीणों का जल्द कराया जाएगा चयन

सीडीओ डा. पूजा गुप्ता ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले पात्र लाभार्थियों की पक्की छत से जुड़ा सपना पूरा करने को जिले के लिए 447 पीएम आवास बनवाने का लक्ष्य मिला है। पात्रों का चयन करने को संबंधित बीडीओ काम कराएंगे। बीडीओ की सूची का दोबारा से सत्यापन कराया जाएगा, पात्र मिलने पर आवास का लाभ दिया जाएगा।

तीन किस्तों में मिलते हैं 1.20 लाख रुपये

प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत मैदानी क्षेत्रों में पात्र लाभार्थी को पक्का मकान बनाने के लिए 1.20 लाख रुपये की सहायता दी जाती है। उत्तर प्रदेश में यह राशि तीन किस्तों में जारी होती है। पहली किस्त 40 हजार रुपये, दूसरी किस्त 70 हजार रुपये और तीसरी किस्त 10 हजार रुपये की होती है। भुगतान मकान निर्माण की निर्धारित अवस्थाओं के अनुसार लाभार्थी के बैंक खाते में किया जाता है। पहली किस्त स्वीकृति के समय, दूसरी नींव स्तर तक निर्माण होने पर और तीसरी छत पड़ने के बाद जारी की जाती है।

डीएपी खाद को सुबह से ही लाइन में लग रहे किसान

सरसों बोआई और आलू रोपाई को खाद की बढ़ रही चिंता

सहकारी समितियों और सहकारी संघों पर किसानों की लाइन

डीएपी के लिए फरह कस्बा स्थित सहकारी संघ में कूपन के लिए जुटे किसान।

यूनिक समय, मथुरा। रबी सीजन शुरू हो गया है। बीते दिन की बारिश के बाद खेत अब सरसों बोआई और आलू रोपाई के लिए तैयार हैं। ऐसे में डीएपी की चिंता को किसान परेशान हो रहे हैं। सुबह से ही सहकारी समितियों और सहकारी संघों पर डीएपी के लिए किसानों की लाइन दिख रही है। डीएपी वितरण के नियमों से किसान को तीन बैग डीएपी के लिए कई चक्कर लगाने पड़ रहे हैं, जबकि अधिकारियों का दावा है कि जिले में उर्वरक की कोई कमी नहीं है। किसान इन दिनों डीएपी से जुड़ी जरूरत को पूरा करने के लिए सुबह से ही घर से निकलकर समिति और संघों की गणेश परिक्रमा कर रहा है। सरसों बोआई और आलू रोपाई को तैयार खेत और नमी उसे घर में नहीं बैठने दे रही है। खाद से जुड़ी जरूरत को पूरा करने के लिए वह लाइन में लग रहा है, जबकि सचिवों के बनाए नियम उसे कई दिन चक्कर लगवाने को विवश कर रहे हैं। गांव शेरगढ़ के दलवीर और बेरी के विजय ने बताया कि वह तीन दिन से समिति और संघ पर जा रहे हैं। कूपन का नंबर नहीं मिल रहा है। बुधवार को सुबह जल्दी लाइन में लगकर कूपन मिला। गांव दौलतपुर के वीरेंद्र ने बताया कि फरह संघ पर एक दिन में केवल 150 किसानों को खाद बांटी जा रही है। इसके लिए एक दिन पहले कूपन लेने को लाइन में लगना पड़ा, जबकि खाद दूसरे दिन मिली।

जिले में खाद की कोई कमी नहीं

सहकारिता विभाग के अधिकारियों के अनुसार, जिले में डीएपी की कोई कमी नहीं है। बीते दो माह के दौरान करीब आठ हजार मीट्रिक टन डीएपी का वितरण किसानों को किया गया है, अब भी स्टाक में 15 सौ मीट्रिक टन डीएपी है। सहायक आयुक्त- निबंधन सहकारिता अभिषेक मिश्रा ने बताया कि इसी माह जिले के लिए दो और रैक डीएपी आ रही हैं। किसान संतुलित मात्रा में खाद का इस्तेमाल करें। अनावश्यक स्टाक और दुरुपयोग नहीं करें।

हेमा मालिनी की 'गंगा' से शुरू होगा ब्रज रज उत्सव

11 दिन सजेगा सांस्कृतिक मंच, पहली बार वृंदावन में भी होंगी प्रस्तुतियां

सौरभ राज जैन, लक्खा और ईशिता विश्वकर्मा समेत कई कलाकार बिखेरेंगे रंग

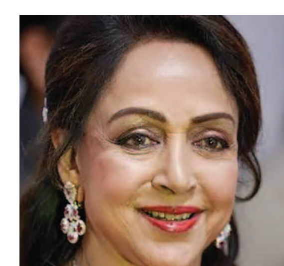

यूनिक समय, मथुरा। ब्रज रज उत्सव-2026 में इस बार देशभर के प्रसिद्ध कलाकार अपनी प्रस्तुतियों से सांस्कृतिक छटा बिखेरेंगे। 23 अक्टूबर से 2 नवंबर तक चलने वाले 11 दिवसीय उत्सव का शुभारंभ 23 अक्टूबर को शाम छह बजे प्रख्यात अभिनेत्री-सांसद हेमा मालिनी की नृत्य नाटिका 'गंगा' से होगा। प्रस्तुति वृंदावन स्थित नवनिर्मित स्वामी हरिदास प्रेक्षागृह में होगी। पहली बार वृंदावन को भी उत्सव के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का केंद्र बनाया गया है। उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद, जिला प्रशासन और पर्यटन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित उत्सव में 25 अक्टूबर को सौरभ राज जैन की नाट्य प्रस्तुति 'मेरे कृष्ण', 26 अक्टूबर को गीता शोध संस्थान की रासलीला और 27 अक्टूबर को शिवानी मिश्रा की 'कलर्स ऑफ यूपी' प्रस्तुति होगी।

वहीं, धौलीप्याऊ स्थित रेलवे ग्राउंड पर 24 अक्टूबर से सांस्कृतिक कार्यक्रम शुरू होंगे। यहां भजन गायक लखबीर सिंह लक्खा, ईशिता विश्वकर्मा सहित विभिन्न कलाकारों की प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र रहेंगी।

प्रतिदिन दोपहर तीन से शाम सात बजे तक स्थानीय कलाकारों को भी मंच मिलेगा। उत्सव में देशभर के शिल्प-हस्तकला उत्पादों, विभिन्न क्षेत्रों के व्यंजनों, ब्रज के पारंपरिक खानपान और मनोरंजन के साधनों की व्यवस्था भी रहेगी।

लग्जरी गाड़ियों की खरीदारी को आगरा बना हब

मथुरा के रईसों को भा रहीं महंगी गाड़ियां

बीएमडब्ल्यू, मर्सिडीज, ऑडी रेंज रोवर और पोर्शे जैसी गाड़ियों के लिए आगरा पहुंच रहे मथुरावासी

दूसरे शहरों से वाहन खरीदकर भी मिल सकता है यूपी—85 नंबर, दस्तावेजों के सत्यापन के बाद मथुरा में होता है पंजीकरण

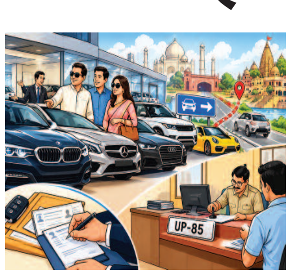

यूनिक समय, मथुरा। ब्रज में इन दिनों लग्जरी गाड़ियों का क्रेज लगातार चर्चा में है। मथुरा में कई बड़ी और प्रीमियम वाहन कंपनियों के अधिकृत शोरूम नहीं होने के बावजूद यहां के लोग महंगी गाड़ियां खरीदने में पीछे नहीं हैं। बीएमडब्ल्यू, मर्सिडीज-बेंज, ऑडी, रेंज रोवर, जीप, वोल्वो, लेम्बोर्गिनी और पोर्शे जैसी कंपनियों की गाड़ियां खरीदने के लिए मथुरा के ग्राहकों को दूसरे शहरों का रुख करना पड़ता है। ऐसे में आगरा लग्जरी और प्रीमियम वाहनों की खरीदारी के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में सामने आ रहा है।

आगरा में विभिन्न वाहन कंपनियों के शोरूम उपलब्ध होने के कारण मथुरा के ग्राहकों को अपनी पसंद की गाड़ी खरीदने में सहूलियत मिलती है। यही वजह है कि लग्जरी कारों से लेकर प्रीमियम दोपहिया वाहनों तक की खरीदारी के लिए कई ग्राहक आगरा पहुंचते हैं। वहीं, कुछ लोग अपनी पसंद और वाहन की उपलब्धता के अनुसार दिल्ली या दूसरे शहरों से भी गाड़ियां खरीदते हैं।

एआरटीओ कार्यालय से मिली जानकारी के मुताबिक, वाहन की कीमत के आधार पर टैक्स तय होता है। 10 लाख रुपये से अधिक कीमत वाले वाहनों पर 11 प्रतिशत और 10 लाख रुपये से कम कीमत वाले वाहनों पर नौ प्रतिशत टैक्स बताया गया है।

मथुरा में मारुति सुजुकी, हुंडई, होंडा, टाटा, महिंद्रा और किआ जैसी कंपनियों के शोरूम आ गए हैं। इसके अलावा कई लग्जरी ब्रांडों के शोरूम नहीं होने से ग्राहकों को आगरा और दिल्ली जैसे शहरों पर निर्भर रहना पड़ता है। मथुरा में महंगी गाड़ियों की बढ़ती मांग और स्थानीय स्तर पर प्रीमियम शोरूम की कमी के बीच आगरा आसपास के ग्राहकों के लिए वाहन खरीदारी का अहम केंद्र बन रहा है।

शोरूम दूसरे शहर में, लेकिन नंबर मथुरा का

दूसरे शहर से नई गाड़ी खरीदने वाले ग्राहकों के लिए राहत की बात यह है कि निर्धारित नियमों और जरूरी दस्तावेजों को पूरा करने पर वाहन का पंजीकरण मथुरा में कराया जा सकता है। इसके बाद वाहन को यूपी-85 पंजीकरण नंबर मिल सकता है। इसके लिए पते के प्रमाण समेत आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने होते हैं। डीलर की ओर से अस्थायी पंजीकरण की सुविधा भी दी जा सकती है, जिसके बाद तय समय में स्थायी पंजीकरण की प्रक्रिया पूरी करनी होती है। एआरटीओ कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार, दूसरे शहरों से खरीदे गए वाहनों का मथुरा में पंजीकरण किया जाता है। दस्तावेजों की जांच और तय कर और शुल्क की प्रक्रिया पूरी होने के बाद पंजीकरण नंबर जारी किया जाता है।

अंदर के पेजों की प्रमुख खबरें

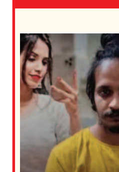

मुस्कान-साहिल को फांसी, सजा सुनते ही कोर्ट में रोने लगे दोनों
पेज-10 पर

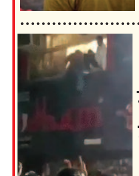

दिल्ली के रेस्टोरेंट में आग, खिड़की से कूदकर बचाई जान
पेज-11 पर

खंडेलवाल महिला मंडल का डांडिया उत्सव धूमधाम से संपन्न
पेज-12 पर

400 ग्राम पंचायतों में 19 हजार श्रमिकों को मिला रोजगार

जल संरक्षण, नाली गूल सफाई और बंधा निर्माण के हो रहे काम

कच्चे काम पूरे होने के बाद ही जिले में हो सकेंगे पक्के काम

यूनिक समय, मथुरा। विकसित भारत– गारंटी फॉर रोजगार आजीविका मिशन ग्रामीण (वीबी-जी राम जी) से इन दिनों जिले के हजारों श्रमिकों को भरपूर रोजगार मिल रहा है। विशेष रोजगार सृजन के तीसरे दिन भी 19 हजार से अधिक श्रमिकों को योजना के तहत रोजगार मिला। जिले की ग्राम पंचायतों में योजना के तहत जल संरक्षण से जुड़े काम प्राथमिकता से कराए जा रहे हैं।

सोमवार को विकसित भारत- गारंटी फॉर रोजगार आजीविका मिशन ग्रामीण के अंतर्गत जनपद में संचालित विकास-रोजगार अभियानों के तहत 'विशेष रोजगार सृजन दिवस' का आयोजन हुआ था। इस दौरान जिले की 495 ग्राम पंचायतों के सापेक्ष 467 ग्राम पंचायतों में सक्रिय रूप से रोजगार सृजन का कार्य हुआ, जिसमें 948 विकास कार्यों पर 24,195 श्रमिकों (लेबर) को प्रत्यक्ष रूप से रोजगार उपलब्ध कराया गया। विभागीय अधिकारियों के अनुसार, कार्यों के पारदर्शी-सुचारू संचालन के लिए कुल 2,920 मस्टर रोल जनरेट किए गए हैं। इन कार्यों के अंतर्गत जल संरक्षण, तालाबों का जीर्णोद्धार, संपर्क मार्गों का निर्माण और अन्य ढांचागत ग्रामीण विकास के कार्य प्रमुखता से कराए जा रहे हैं।

वहीं, मंगलवार को योजना के तहत 21हजार से अधिक श्रमिकों को काम मिला, जबकि बुधवार को 400 ग्राम पंचायतों में काम हुआ, जिसमें 19962 श्रमिकों को काम करने का मौका मिला। 788 विकास कामों के लिए मस्टरोल जारी किए गए। डीसी मनरेगा विजय कुमार पांडेय ने बताया कि वीबी-जी राम जी के तहत कच्चे काम वरीयता से कराए जा रहे हैं, ऐसे कामों में जल संरक्षण से जुड़े काम वरीयता से चल रहे हैं।

मुख्य विकास अधिकारी डा. पूजा गुप्ता ने बताया कि वीबी-जी राम जी के अंतर्गत वर्तमान में जल संरक्षण आदि से जुड़े काम ग्राम पंचायतों में कराए जा रहे हैं। इन कामों के पूरा होने के बाद योजना से पक्के काम कराए जा सकते हैं।

नहरों की सफाई पर खर्च होंगे 5.20 करोड़, 15 नवंबर तक लक्ष्य

चार डिवीजनों में 1140 किलोमीटर नहरों रजवाहों से निकलेगी सिल्ट

क्षतिग्रस्त पटरियों की मरम्मत से खेतों तक पहुंचेगा सिंचाई का पानी

चार डिवीजनों को सौंपी जिम्मेदारी

सिल्ट सफाई और मरम्मत का काम चार डिवीजनों के माध्यम से कराया जा रहा है। इनमें अपर मांट, निचली मांट, खुर्जा और एलएसी आगरा डिवीजन शामिल हैं। संबंधित क्षेत्रों में नहरों और रजवाहों की सफाई की जिम्मेदारी इन डिवीजनों को सौंपी गई है। कार्यों की निगरानी के लिए सहायक अभियंताओं और अवर अभियंताओं को लगाया गया है। अधिशासी अभियंता भी मौके पर पहुंचकर काम की प्रगति और गुणवत्ता का निरीक्षण कर रहे हैं।

यूनिक समय, मथुरा। किसानों की फसलों की सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सिंचाई विभाग ने नहरों और रजवाहों की सिल्ट सफाई का काम शुरू करा दिया है। शासन से इसके लिए 5.20 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

करीब 1140 किलोमीटर लंबाई में नहरों और रजवाहों की सफाई के साथ क्षतिग्रस्त पटरियों की मरम्मत कराई जा रही है। विभाग ने ठेकेदारों को 15 नवंबर तक काम पूरा करने की समय सीमा दी है।

अपर खंड आगरा नहर के अधिशासी अभियंता नवीन कुमार ने बताया कि नहरों में जमा सिल्ट हटाकर हेड से टेल तक पानी का प्रवाह सुचारु बनाने का प्रयास किया जा रहा है। सिल्ट जमा होने और पटरियां क्षतिग्रस्त होने से पानी के बहाव में बाधा आती है। इसे देखते हुए सफाई और मरम्मत दोनों कार्य कराए जा रहे हैं, ताकि किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी मिल सके।

उन्होंने बताया कि विभाग का लक्ष्य निर्धारित समयसीमा में सफाई और मरम्मत का काम पूरा कर नहरों में पानी का प्रवाह बेहतर बनाना है। इससे किसानों को खेतों की सिंचाई में सुविधा मिलने की उम्मीद है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार, काम पूरा होने के बाद नहरों में पानी छोड़ने की व्यवस्था की जाएगी, जिससे रबी की फसलों की सिंचाई के लिए किसानों को राहत मिल सके।

डीएलएड परीक्षा में 80 छात्र अनुपस्थित, 441 ने दी परीक्षा

यूनिक समय, मथुरा। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में बुधवार को डीएलएड की परीक्षा आयोजित की गई। परीक्षा में हिंदी षष्टम और अंग्रेजी सप्तम प्रश्नपत्र में कुल 521 छात्र पंजीकृत थे। इनमें से 441 छात्र परीक्षा में शामिल हुए, जबकि 80 छात्र अनुपस्थित रहे।

डायट से मिली जानकारी के अनुसार, हिंदी षष्टम प्रश्नपत्र में कुल 164 छात्र पंजीकृत थे। इनमें से 131 छात्रों ने परीक्षा दी, जबकि 33 छात्र अनुपस्थित रहे। वहीं, अंग्रेजी सप्तम प्रश्नपत्र में कुल 357 छात्र पंजीकृत थे। इनमें से 310 छात्र परीक्षा में शामिल हुए और 47 छात्र अनुपस्थित रहे। इस प्रकार दोनों प्रश्नपत्रों में कुल 80 छात्र परीक्षा में शामिल नहीं हुए।

सरनेम का झटका, ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने में आ रही परेशानी

दस्तावेजों में शाब्दिक गलती से आवेदक दिक्कत में, समान विवरण जरूरी

यूनिक समय, वृंदावन। एआरटीओ कार्यालय में ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के दौरान आधार कार्ड और पैन कार्ड में नाम अलग–अलग होने के कारण आवेदकों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। दस्तावेजों में नाम और उपनाम (सरनेम) का अंतर होने से आवेदन प्रक्रिया प्रभावित होती है। हालांकि, नाम के अक्षरों में मामूली अंतर होने पर हर मामले में समस्या नहीं आती, लेकिन सरनेम में अंतर होने पर दस्तावेजों के सत्यापन में दिक्कत हो सकती है।

जानकारी के अनुसार, ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के लिए आवेदक के पहचान संबंधी दस्तावेजों में दर्ज विवरण का सही होना जरूरी है। आधार कार्ड और पैन कार्ड में नाम की वर्तनी या सरनेम अलग होने पर संबंधित जानकारी का मिलान करना पड़ता है। ऐसी स्थिति में आवेदक को अतिरिक्त दस्तावेज प्रस्तुत करने पड़ सकते हैं, जिससे लाइसेंस बनवाने की प्रक्रिया में देरी हो सकती है। सरनेम में अंतर के कारण दस्तावेजों का सत्यापन नहीं हो पाता, तो आवेदक को नाम संबंधी अंतर स्पष्ट करने के लिए समाचार पत्र में सार्वजनिक सूचना या विज्ञापन प्रकाशित कराने के लिए, कहा जा सकता है। इसके बाद विज्ञापन की प्रति और अन्य आवश्यक दस्तावेज संबंधित कार्यालय में जमा करने होते हैं।

दस्तावेजों की जांच और निर्धारित प्रक्रिया पूरी होने के बाद लाइसेंस जारी करने की कार्रवाई आगे बढ़ती है। ऐसे में आवेदकों को सलाह दी जाती है कि लाइसेंस के लिए आवेदन करने से पहले अपने पहचान संबंधी दस्तावेजों में नाम और सरनेम का मिलान कर लें। किसी प्रकार का अंतर होने पर एआरटीओ कार्यालय से आवश्यक प्रक्रिया की जानकारी प्राप्त करें, ताकि आवेदन के दौरान अनावश्यक परेशानी और देरी से बचा जा सके।

अंडरपास में जलभराव पर नगर आयुक्त सख्त, निकासी शुरू

जलभराव की समस्या को लेकर अधिकारियों को निर्देश देते नगर आयुक्त ओजस्वी राज।

सड़क-नाली निर्माण पूरा होने तक पंपिंग सेट से निकलेगा पानी

यूनिक समय, मथुरा। नया बस स्टैंड के पीछे परिक्रमा मार्ग स्थित गुरु नानक नगर रेलवे अंडरपास में जलभराव की समस्या पर नगर आयुक्त ओजस्वी राज ने सख्ती दिखाई है। बुधवार को स्थलीय निरीक्षण कर उन्होंने जलभराव का जायजा लिया और अधिकारियों को त्वरित निकासी के साथ स्थायी समाधान के निर्देश दिए। अंडरपास में जमा पानी निकालने के लिए सक्शन मशीन लगाकर काम शुरू करा दिया गया है।

निरीक्षण में सामने आया कि गुरु नानक नगर कॉलोनी में सड़क और नाली निर्माण कार्य प्रगति पर होने के कारण नालियों का पानी अंडरपास में जमा हो रहा है। नगर आयुक्त ने संबंधित ठेकेदार को पंपिंग सेट लगाकर नियमित रूप से पानी निकालने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्माण कार्य पूरा होने तक जल निकासी की व्यवस्था लगातार बनाए रखी जाए।

नगर आयुक्त ने महाप्रबंधक जलकल को जल निकासी की नियमित निगरानी करने और भविष्य में जलभराव रोकने के लिए प्रभावी इंतजाम करने को कहा। वहीं, रोडवेज वर्कशॉप के पास रेलवे लाइन चौड़ीकरण के दौरान अवरुद्ध हुए नाले की समस्या के स्थायी समाधान के लिए पूर्व निर्मित नाले की सफाई और जरूरत के अनुसार ह्यूम पाइप डालने के निर्देश दिए। परिक्रमा मार्ग स्थित अंडरपास के पास नाले की सफाई कराने को भी कहा, ताकि लोगों को आवागमन में परेशानी न हो। निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक जलकल मोहम्मद अनवर ख्वाजा, अवर अभियंता गंगासागर, क्षेत्रीय सफाई निरीक्षक राजकुमार लवानिया और सफाई निरीक्षक विपिन कुमार सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

चार वार्डों की जलापूर्ति परखी, नगर आयुक्त ने किया सीडब्ल्यूआर का निरीक्षण

सुबह छह से रात दस बजे तक होती है पेयजल आपूर्ति

यूनिक समय, मथुरा। नगर आयुक्त ओजस्वी राज ने बुधवार को वार्ड 47 के द्वारिकापुरी स्थित क्लियर वाटर रिजर्वायर (सीडब्ल्यूआर) का निरीक्षण कर पेयजल आपूर्ति व्यवस्था परखी। उन्होंने अधिकारियों से मोटरों की क्षमता, जलापूर्ति की प्रक्रिया और निर्धारित समय की जानकारी ली। महाप्रबंधक जलकल मोहम्मद अनवर ख्वाजा ने बताया कि सीडब्ल्यूआर से वार्ड 54, 47, 44 और 37 में प्रतिदिन सुबह छह से रात दस बजे तक जलापूर्ति की जाती है। नगर आयुक्त ने इन क्षेत्रों में पानी की उपलब्धता और आपूर्ति व्यवस्था की जानकारी ली। उन्होंने स्थानीय नागरिकों से भी संवाद कर पानी मिलने के समय और टंकियों के ओवरफ्लो होने पर सूचना देने की व्यवस्था के बारे में पूछा। नगर आयुक्त ने अधिकारियों को नागरिकों को नियमित और सुचारु पेयजल उपलब्ध कराने पर जोर दिया। निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक जलकल मोहम्मद अनवर ख्वाजा और अवर अभियंता प्रतिभा ओझा मौजूद रहीं।

महाराजा अंबरीष जयंती पर गोपाल सोनी का सम्मान

कार्यक्रम में गोपाल सोनी को सम्मानित करते समाज के लोग।

सोनी समाज युवा समिति ने माला, पटका, साफा-स्मृति चिन्ह भेंटकर किया अभिनंदन

यूनिक समय, मथुरा। सोनी समाज युवा समिति (रजि.) की ओर से महाराजा अंबरीष जयंती महोत्सव के तहत आयोजित शोभायात्रा में महाराजा अंबरीष का स्वरूप धारण करने वाले गोपाल सोनी का सम्मान किया गया। मंगलवार शाम स्थानीय होटल में आयोजित समारोह में समिति पदाधिकारियों ने माला, पटका, साफा और स्मृति चिन्ह भेंटकर उनका अभिनंदन किया।

युवा समाजसेवी सौरभ वर्मा ने कहा कि ऐसे आयोजन समाज की गौरवशाली परंपराओं को जीवंत रखने के साथ युवाओं में सांस्कृतिक जागरूकता बढ़ाते हैं। समारोह में जय सिंह वर्मा, भगवान वर्मा, बॉबी वर्मा, नितिन सोनी, राजेश वर्मा, सोनू वर्मा, केएम सोनी (भोला), राजेश सोनी, उमेश सोनी, मुकेश सोनी, जगदीश वर्मा, अरविन्द वर्मा, चंद्रेश वर्मा, चिराग सोनी, रूपकिशोर सोनी, विन्देश वर्मा और विष्णु सोनी मौजूद रहे। इसके अलावा अखिल भारतीय स्वर्णकार जन जागृति के राष्ट्रीय अध्यक्ष चल वर्मा, छगनलाल वर्मा, जगदीश वर्मा, पूर्व सभासद दीपक वर्मा, सुधीर वर्मा (टोनी), नवीन सोनी, रवि वर्मा, महेंद्र नाथ वर्मा, हरिओम सोनी, राधेश्याम वर्मा, ओमप्रकाश वर्मा और यूसी वर्मा सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

औहावा में लाखों के जेवर-नकदी चोरी, सोता रहा परिवार

यूनिक समय, सुरीर। क्षेत्र के नगला औहावा में चोरों ने एक मकान को निशाना बनाकर लाखों रुपये के जेवरात और नकदी चोरी कर ली। परिवार घर के बाहरी कमरे में सोता रहा और चोर छत के रास्ते जीने से उतरकर अंदर घुस गए। वारदात का पता बुधवार भोर में पूजा के लिए जागने पर चला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया।

नगला औहावा निवासी वासुदेव मिस्त्री के घर में मंगलवार रात अज्ञात चोर छत के रास्ते दाखिल हुए। चोरों ने जीने की दीवार काटकर कुंडी खोली और घर के अंदर प्रवेश कर लिया। इसके बाद एक कमरे में रखी अलमारी

चोरी की वारदात के बाद खुली पड़ी अलमारी।

का ताला तोड़ दिया, जबकि दूसरे कमरे में रखे बक्से को खंगाल डाला। चोर सोने-चांदी के आभूषण और करीब 31,500 रुपये नकद लेकर फरार हो गए। बुधवार तड़के वासुदेव और उनकी पत्नी पूजा करने के लिए जागे तो कमरे का दरवाजा बाहर से बंद मिला। दूसरे घर के रास्ते बाहर निकलने के बाद उन्होंने छत पर जाकर देखा तो जीने का दरवाजा खुला पड़ा था। अंदर पहुंचने पर कमरों में सामान बिखरा मिला। अलमारी का ताला टूटा था और बक्से का सामान अस्त-व्यस्त पड़ा था। जेवरात और नकदी गायब देखकर परिवार के होश उड़ गए।

छत के जीने से घर में घुसे चोर, अलमारी और बक्सा खंगाला

31,500 रुपये नकद और सोने-चांदी के आभूषण ले गए चोर

परिवार ने डायल 112 पर सूचना दी। इसके बाद थाना सुरीर पुलिस मौके पर पहुंची। सीओ मांट अमरनाथ यादव ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया। वासुदेव ने थाना सुरीर में अज्ञात चोरों के खिलाफ लिखित शिकायत देकर आरोपियों की गिरफ्तारी और चोरी गए सामान की बरामदगी की मांग की है।

जीआरपी थाने के अपराध निरीक्षक लाइन हाजिर

जन शिकायतों के चलते एसपी रेलवे ने की कार्रवाई

यूनिक समय,मथुरा। कार्य में लापरवाही और जन शिकायतों का संज्ञान लेते हुए एसपी जीआरपी आगरा अनिल कुमार झा ने जीआरपी थाने में तैनात अपराध निरीक्षक रविन्द्र मलिक को लाइन हाजिर कर दिया है।

थाना जीआरपी पर तैनात अपराध निरीक्षक रविन्द्र मलिक तैनाती के बाद से स्टेशन के निकट बने होटल में कमरा लेकर रह रहे थे। आरोप है कि वह होटल संचालक को कमरे का किराया भी अदा नहीं कर रहे थे। इतना ही नहीं किराए का भुगतान किए जाने का तकादा करने पर उनके द्वारा होटल संचालक को धमकाया जा रहा था। इसकी शिकायत होटल संचालक ने एसपी जीआरपी से की थी।

सीओ जीआरपी राजेश दीक्षित ने बताया कि थाने पर तैनात अपराध निरीक्षक रविन्द्र मलिक लम्बे समय से होटल में कमरा लेकर रह रहे थे, जिसका किराया भी उनके द्वारा अदा नहीं किया गया था। होटल संचालक ने इसकी शिकायत एसपी रेलवे से की थी। उन्होंने बताया कि इसके अलावा अन्य लोगों द्वारा भी अपराध निरीक्षक की शिकायतें प्राप्त हुई थीं। साथ ही उनके द्वारा विभागीय कार्य में निरंतर लापरवाही बरती जा रही थी। जांच के बाद एसपी रेलवे अनिल कुमार झा ने अपराध निरीक्षक रविन्द्र मलिक को तत्काल प्रभाव से लाइन हाजिर कर दिया है।

कोतवाली प्रभारी लाइन हाजिर, रिफाइनरी के प्रभारी निरीक्षक बदले

यूनिक समय, मथुरा। एसएसपी ने तीन निरीक्षकों के स्थानांतरण कर दिया। कोतवाली प्रभारी को शिकायतों के आधार पर लाइन हाजिर कर दिया। एसएसीप श्लोक कुमार ने शिकायतों और कार्य ठीक से न करने के मामले में कोतवाली प्रभारी विनोद बाबू मिश्रा को लाइन हाजिर कर दिया। इसके साथ ही थाना प्रभारी निरीक्षक रिफाइनरी आजय कौशल को कोतवाली का चार्ज दिया है। पीआरओ अनुराग चौधरी को थाना प्रभारी निरीक्षक रिफाइनरी बनाया है।

राज मिस्त्री ने फांसी लगाकर दी जान

यूनिक समय, मथुरा। थाना महावन क्षेत्र के गोकुल में एक राज मिस्त्री ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना से परिवार में कोहराम मच गया। मृतक अपने पीछे पत्नी, तीन बेटियां और एक बेटे को छोड़ गया है।

गोकुल के कुम्हार पाड़ा निवासी अनुज (35) पुत्र गणेश राज मिस्त्री का काम करता था। बताया गया कि वह काम से लौटने के बाद रात में किसी समय घर में फांसी के फंदे पर झूल गया। सुबह परिवार के लोगों ने उसे फंदे पर लटका देखा तो उनके होश उड़ गए। पत्नी और बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। घटना की जानकारी मिलने पर आसपास के लोग भी मौके पर पहुंच गए।

पीछे छोड़ गया पत्नी, तीन बेटियां और एक बेटा

सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों के अनुसार, काम के दौरान पैसों के लेनदेन को लेकर उसका किसी से विवाद हुआ था। वहीं, कुछ लोगों ने पारिवारिक तनाव को आत्महत्या की वजह बताया। पुलिस मामले की जानकारी जुटा रही है।

इलाज के दौरान बीमार व्यक्ति की मौत

यूनिक समय, मथुरा। जिला अस्पताल में उपचार के दौरान एक बीमार व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया।

पुलिस के अनुसार, आगरा निवासी देवी प्रसाद जिला अस्पताल में भर्ती थे। बताया गया कि उनका टीबी का उपचार चल रहा था। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस ने परिजनों को घटना की सूचना दी। जानकारी मिलने पर परिवार के लोग पोस्टमार्टम गृह पहुंच गए। पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

प्रधानाचार्य पर जानलेवा हमला करने वालों को सात-सात वर्ष का कारावास

यूनिक समय, मथुरा। जानकीबाई बालिका इंटर कालेज की प्रधानाचार्य पर जानलेवा हमला करने वाले और उसके साथी को एडीजे तृतीय राजेश पाराशर की अदालत ने सात-सात वर्ष के कारावास और छह- छह हजार रुपये अर्थदंड की सजा से दंडित किया है। शासन की ओर से मुकदमे की पैरवी सहायक शासकीय अधिवक्ता अवनीश उपाध्याय द्वारा की गई। अभियुक्त ने मां को बर्खास्त किए जाने से क्षुब्ध होकर अपने साथी के साथ प्रधानाचार्य पर जानलेवा हमला किया था। पीड़िता के पति ने न्यायालय के माध्यम से कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

आर्य समाज रोड स्थित जानकीबाई बा ?लिका इंटर कालेज की प्रधानाचार्या ने वर्ष 2017 में कालेज में कार्यरत चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी सुधा देवी को सेवा से बर्खास्त कर दिया था। इससे क्षुब्ध होकर सुधा देवी के पुत्र बंटी निवासी दलपत खिड़की कोयलावाली गली कोतवाली ने अपने साथी अरूण सिंह निवासी टीचर्स कालोनी धामपुर बिजनौर हाल निवासी गोपालपुरा आर्य समाज रोड कोतवाली मथुरा के साथ कालेज में घुसकर प्रधानाचार्य पर जानलेवा हमला कर उन्हें घायल कर दिया था। प्रधानाचार्य के पति सतीश गौतम ने अदालत के आदेश पर शहर कोतवाली में पत्नी पर हुए जानलेवा हमले की रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

मां को बर्खास्त करने से नाराज था हमलावर साथी के साथ किया था हमला

अदालत के आदेश पर कोतवाली में दर्ज हुई थी रिपोर्ट

पुलिस ने जांच के बाद नामजद बंटी और अरूण के खिलाफ आरोप पत्र न्यायालय में प्रषित किया। मुकदमें की सुनवाई एडीजे तृतीय राजेश पाराशर की अदालत में हुई। एडीजीसी अवनीश उपाध्याय ने बताया कि अदालत ने बंटी और अरूण सिंह को प्रधानाचार्य पर जानलेवा हमले का दोषी मानते हुए उन्हें सात-सात वर्ष के कारावास और छह-छह हजार रुपये अर्थदंड की सजा से दंडित किया है। दोनों अभियुक्त जमानत पर थे। निर्णय सुनाए जाने के बाद अदालत ने दोनों का सजाई वारंट बना उन्हें सजा भुगतने के लिए जेल भेज दिया है।

22 पव्वा देशी शराब के साथ गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। राया पुलिस ने एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 22पव्वा देशी शराब बरामद की है। पुलिस ने सादाबाद रोड पर राधिकाधाम के समीप से अभियुक्त प्रवेंद्र निवासी नगला ककई थाना नारखी जिला फिरोजाबाद को 22 पव्वे देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, अभियुक्त इस समय राधिका धाम में रह रहा था।

नाबालिग से दुराचार करने वाला गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। मगोर्रा पुलिस ने नाबालिग को भगा ले जाने और उसके साथ दुराचार करने के मामले में वांछित चल रहे अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, अभियुक्त चंद्रवीर निवासी नगला धाम थाना मगोर्रा एक नाबालिग को बहला-फुसला कर ले गया। अभियुक्त ने उसके साथ दुराचार किया। इस मामले में युवक वांछित चल रहा था। पुलिस ने जाजमपट्टी तिराहे से उसे गिरफ्तार किया है।

जीआरपी ने पकड़ा चोर चोरी के दो मोबाइल बरामद

यूनिक समय,मथुरा। राजकीय रेलवे पुलिस प्लेटफार्म संख्या एक और आठ के बीच बने पार्क के अंदर से एक युवक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से दो चोरी के मोबाइल बरामद किए हैं।

थाना प्रभारी निरीक्षक जीआरपी प्रदीप कुमार, उप निरीक्षक अमित बालियान और सुजीत चंद्रा और पुलिस टीम के साथ स्टेशन पर चेकिंग और संदिग्धों की तलाश कर रहे थे। इसी बीच पुलिस ने पार्क में एक संदिग्ध युवक को देखा। पुलिस टीम ने युवक के पास पहुंचकर उसके बारे में जानकारी की। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से दो चोरी के मोबाइल बरामद हुए। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्त गांव कैरावली थाना करहल जिला मैनपुरी है।

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।
कार्यालय:- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।
संपादक-पवन गौतम
फोन नंबर-0565-3550761
मो. 9837155888
E-mail : uniquesamaynews@gmail.com
website : uniquesamay.com
RNI-UPHIN/2023/85053
DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28
सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

महिला अस्पताल में अल्ट्रासाउंड ठप, मरीजों की जेब पर पड़ रही मार

सोनोलॉजिस्ट के तबादले से एक अक्टूबर से बंद जांच रोजाना 60-70 गर्भवती महिलाएं होती थीं लाभान्वित

एसएनसीयू में भी चिकित्सकों का टोटा विशेषज्ञों की कमी से बिगड़ी व्यवस्था

जिला महिला चिकित्सालय में अल्ट्रासाउंड सुविधा बंद होने के बाद कक्ष के बाहर बैठे श्वान।

यूनिक समय, मथुरा। जिला महिला चिकित्सालय में विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी का खामियाजा मरीजों को भुगतना पड़ रहा है। अस्पताल में अल्ट्रासाउंड जांच की सुविधा ठप होने से गर्भवती महिलाओं की मुश्किलें बढ़ गई हैं। सरकारी अस्पताल में मुफ्त जांच की सुविधा बंद होने के कारण महिलाओं को दूसरे अस्पतालों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। कई मरीजों को निजी केंद्रों पर रुपये खर्च कर जांच करानी पड़ रही है। सोनोलॉजिस्ट के स्थानांतरण के बाद एक अक्टूबर से अल्ट्रासाउंड सेवा बंद है, लेकिन अभी तक दूसरे चिकित्सक की तैनाती नहीं हो सकी है।

जिला महिला चिकित्सालय में आगरा से संबद्ध सोनोलॉजिस्ट डॉ. श्वेता अल्ट्रासाउंड जांच करती थीं। उनके स्थानांतरण के बाद जांच व्यवस्था प्रभावित हो गई। पहले प्रतिदिन करीब 60 से 70 गर्भवती महिलाओं का अल्ट्रासाउंड किया जाता था। अब चिकित्सक नहीं होने से जांच के लिए पहुंचने वाली महिलाओं को जिला चिकित्सालय भेजा जा रहा है। इससे मरीजों को अतिरिक्त परेशानी उठानी पड़ रही है।

सरकारी अस्पताल में निशुल्क जांच की उम्मीद लेकर आने वाली महिलाओं को निजी केंद्रों पर खर्च करना पड़ रहा है।

जिला महिला चिकित्सालय के सीएमएस डॉ. अनिल कुमार पूर्वानी ने बताया कि एक अक्टूबर से अल्ट्रासाउंड करने के लिए अस्पताल में कोई चिकित्सक नहीं है। पहले प्रतिदिन 60 से 70 अल्ट्रासाउंड होते थे। सोनोलॉजिस्ट के स्थानांतरण के बाद जांच के लिए आने वाली महिलाओं को जिला चिकित्सालय भेजा जा रहा है।

स्त्री रोग विशेषज्ञों की कमी से भी परेशानी

अस्पताल में चिकित्सकों की कमी का असर अन्य स्वास्थ्य सेवाओं पर भी पड़ रहा है। स्त्री रोग विशेषज्ञों की कमी के चलते मरीजों को समय पर परामर्श और उपचार मिलने में दिक्कत हो रही है। गर्भवती महिलाओं को आवश्यक जांच के लिए भी इंतजार करना पड़ रहा है। ऐसे में अस्पताल पहुंचने वाली महिलाओं की परेशानी और बढ़ गई है।

एसएनसीयू में भी चिकित्सकों के पद खाली

नवजात शिशुओं के उपचार के लिए संचालित सिक न्यूबॉर्न केयर यूनिट (एसएनसीयू) में भी चिकित्सकों की कमी है। यहां एक एमबीबीएस चिकित्सक और एक विशेषज्ञ चिकित्सक का अभाव बताया गया है। इससे नवजात शिशुओं के उपचार की व्यवस्था पर दबाव बना हुआ है।

जंक्शन और रेलवे कॉलोनी में बंदरों का आतंक

कर्मचारियों और यात्रियों पर हमलावर हो रहे बंदर

फुट ओवर ब्रिज पर झुंड से आवागमन में परेशानी

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा जंक्शन रेलवे स्टेशन और रेलवे कॉलोनी में बंदरों का आतंक बढ़ता जा रहा है। बंदरों के हमलावर होने से यात्रियों, रेलवे कर्मचारियों और उनके परिवारों की सुरक्षा पर खतरा मंडरा रहा है। प्लेटफार्मों से लेकर फुट ओवर ब्रिज तक बंदरों के झुंड दिखाई देते हैं। इनके अचानक हमला करने की आशंका से यात्रियों को सतर्क होकर निकलना पड़ता है। समस्या से निजात दिलाने के लिए नार्थ सेंट्रल रेलवे इम्पलाईज संघ ने स्टेशन निदेशक को पत्र लिखकर कार्रवाई की मांग की है। वहीं, स्टेशन निदेशक ने नगर आयुक्त को पत्र लिखकर बंदरों को पकड़कर जंगल में छुड़वाने का अनुरोध किया है।

जंक्शन पर प्रतिदिन बड़ी संख्या में यात्रियों का आवागमन होता है। ऐसे में स्टेशन परिसर में बंदरों की बढ़ती मौजूदगी परेशानी का कारण बन रही है। फुट ओवर ब्रिज पर झुंड में बैठे बंदर रास्ता रोकने जैसी स्थिति पैदा कर देते हैं। यात्रियों के हाथ में खाने का सामान देखकर बंदर झपट्टा मारते हैं और कई बार हमलावर हो जाते हैं। इससे खासकर बच्चों, बुजुर्गों और सामान लेकर चलने वाले यात्रियों को परेशानी होती है।

रेलवे कॉलोनी में परिवार भी परेशान

रेलवे कॉलोनी में रहने वाले कर्मचारी और उनके परिजन भी बंदरों के आतंक से परेशान हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, बंदर घरों में घुसकर खाने-पीने की वस्तुएं और अन्य सामान उठा ले जाते हैं। फ्रिज में रखा सामान तक निकाल ले जाते हैं। बंदरों के हमले की आशंका के चलते कर्मचारियों और उनके परिजनों को घर से निकलते समय सावधानी बरतनी पड़ती है। कई लोग बचाव के लिए डंडा लेकर निकलने को मजबूर हैं।

यूनियन ने उठाई समस्या, नगर निगम से कार्रवाई की मांग

नार्थ सेंट्रल रेलवे इम्पलाईज संघ ने स्टेशन निदेशक को पत्र लिखकर स्टेशन और कॉलोनी में बंदरों की समस्या का समाधान कराने की मांग की है। स्टेशन निदेशक सुनील कुमार शर्मा ने बताया कि बंदरों की संख्या बढ़ने से कर्मचारी और यात्री परेशान हैं। बंदरों के हमले में लोग घायल भी हो जाते हैं। समस्या के समाधान के लिए, नगर आयुक्त को पत्र लिखा गया है। उन्होंने बंदरों को पकड़कर दूरस्थ जंगल में छुड़वाने की मांग की है। अब रेलवे कर्मचारियों और यात्रियों को राहत मिलने के लिए नगर निगम की कार्रवाई का इंतजार है।

मौसम बदलते ही बिगड़ी सेहत, जिला अस्पताल की ओपीडी में उमड़े मरीज

पर्चा बनवाने के लिए अपनी बारी का इंतजार करते मरीज।

जिला अस्पताल में मरीजों का उपचार करते डॉ. अर्पण कुमार।

यूनिक समय, मथुरा। मौसम में बदलाव के साथ लोगों की सेहत बिगड़ने लगी है। दिन और रात के तापमान में उतार-चढ़ाव का असर जिला अस्पताल की ओपीडी में दिखाई दे रहा है। वायरल बुखार, सांस संबंधी परेशानी, ब्लड प्रेशर और मधुमेह के मरीजों की संख्या बढ़ रही है। पर्चा बनवाने से लेकर चिकित्सक को दिखाने तक मरीजों को इंतजार करना पड़ रहा है।

वायरल बुखार और सांस की दिक्कत के मरीज बढ़े सुबह से लग रहीं कतारें

फिजिशियन की ओपीडी में रोजाना पहुंच रहे करीब 200 मरीज

जिला अस्पताल में फिजिशियन डॉ. अर्पण कुमार की ओपीडी में रोजाना करीब 200 मरीज पहुंच रहे हैं। इनमें लगभग 80 मरीज वायरल बुखार, 40 सांस संबंधी परेशानी, 30 ब्लड प्रेशर, 20 मधुमेह, 10 कान दर्द और 20 मरीज खून की कमी की शिकायत लेकर आ रहे हैं। सुबह से ही पर्चा काउंटर पर मरीजों की कतारें लग जाती हैं। बदलते मौसम में बच्चों, बुजुर्गों और पहले से बीमार लोगों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है।

लापरवाही पड़ सकती है भारी

फिजिशियन डॉ. अर्पण कुमार ने बताया कि मौसम में बदलाव के कारण मरीजों की संख्या बढ़ रही है। लोगों को साफ-सफाई का ध्यान रखने, पर्याप्त पानी पीने और पौष्टिक भोजन करने की जरूरत है। मौसम के अनुसार कपड़े पहनें और बुखार या सांस संबंधी परेशानी होने पर चिकित्सक से परामर्श लें। बिना चिकित्सकीय सलाह के दवाओं का सेवन करने से बचें।

मंदिर में गुम हुआ बच्चा पुलिस ने किया बरामद

यूनिक समय, मथुरा। बल्देव पुलिस और महिला एंटी रोमियो टीम ने मंदिर से बिछड़े बालक को बरामद कर परिवार को सौंप दिया।

मिशन शक्ति छह अभियान के तहत महिला शक्ति/एंटी रोमियो टीम को इस बात की जानकारी हुई कि दाऊजी महाराज मंदिर में दर्शन करने के लिए आए एक परिवार का तीन साल का बच्चा मंदिर परिसर से अचानक लापता हो गया है। इस जानकारी पर टीमों ने तुरंत बालक को मंदिर परिसर और आसपास के इलाके में तलाश किया। बच्चा मंदिर परिसर में पुलिस को मिल गया। पुलिस ने बच्चे को बरामद कर परिवार को सौंप दिया। बच्चे को पाकर मां ने पुलिस कर्मियों की प्रशंसा की।

गाय को बचाने में डिवाइडर से टकराया ट्रक

यूनिक समय, मथुरा। गोवर्धन क्षेत्र के जाजमपट्टी चौराहे के समीप सड़क पर अचानक आई गाय को बचाने के प्रयास में ट्रक अनियंत्रित होकर डिवाइडर पर चढ़ गया। हादसे में चालक को मामूली चोट आई।

बताया गया कि ट्रक मथुरा से हिंडोन की ओर जा रहा था। तड़के करीब तीन बजे जाजमपट्टी चौराहे के पास अचानक गाय सामने आ गई।

उसे बचाने के प्रयास में चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा और ट्रक डिवाइडर से टकरा गया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच गई।

पेट्रोल पंप पर पेट्रोल-डीजल की मात्रा में अंतर मिला

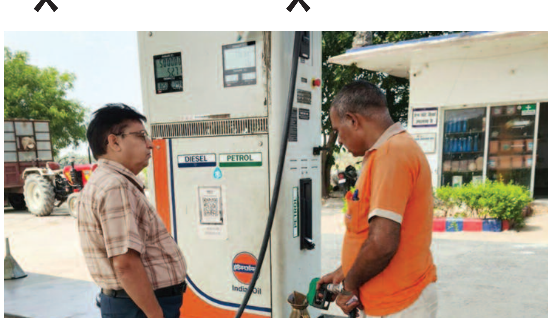
सौंख अड्डे पर पेट्रोल पंप की जांच करते माप विभाग के अधिकारी

यूनिक समय, मथुरा। सहायक नियंत्रक विधिक माप विभाग आगरा के सौरभ श्रीवास्तव के निर्देशानुसार सौंख रोड स्थित सौदान सिंह इंडिया पेट्रोल पंप पर पेट्रोल और डीजल की माप की जांच की गई।

जांच के दौरान पांच लीटर पेट्रोल की माप में 40 मिलीलीटर और डीजल की माप में 30 मिलीलीटर का अंतर पाया गया। सहायक नियंत्रक सौरभ श्रीवास्तव के अनुसार, जांच में सामने आए अंतर की जानकारी उच्च अधिकारियों को दे दी गई है।

विद्या देवी जिंदल स्कूल में 12वें जिंदल प्रीमियर लीग का भव्य आगाज

यूनिक समय, कोसीकलां। नंदगांव रोड स्थित विद्या देवी जिंदल स्कूल के क्रिकेट ग्राउंड पर मंगलवार को 12वें जिंदल प्रीमियर लीग (जेपीएल) का शुभारंभ हुआ। जिंदल शॉ लिमिटेड के निदेशक नितिन शर्मा ने फीता काटकर टूर्नामेंट का उद्घाटन किया और टॉस उछालकर खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया। उद्घाटन मुकाबला डेयरडेविल्स और टाइटन्स के बीच खेला गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए डेयरडेविल्स ने निर्धारित ओवरों में 88 रन बनाए। नासिर अली ने 28 गेंदों पर 48 रनों की शानदार पारी खेली। लक्ष्य का पीछा करने उतरी टाइटन्स की टीम 12 ओवर में नौ विकेट पर 75 रन ही बना सकी। इस तरह डेयरडेविल्स ने 13 रनों से जीत दर्ज की। नासिर अली को मैन ऑफ द मैच चुना गया। लीग में लॉयंस, वीडीजेएस, टाइटन्स, रॉयल्स, चैलेंजर्स, नाइटराइडर्स, सुपरकिंग्स और डेयरडेविल्स सहित आठ टीमें हिस्सा ले रही हैं। इस दौरान जिंदल शॉ के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। मुकाबले में केके कौशिक और मनोज कुमार उपाध्याय ने अंपायरिंग की, जबकि डीसी अग्रवाल थर्ड अंपायर रहे। ग्राउंड कमेटी के रिंकू डोरा और हेड कोच सुखदेव सिंह का योगदान सराहनीय रहा।

भरत मिलाप में भावुक हुए दर्शक श्रीराम ने भरत को दी पादुकाएं

भरत-शत्रुघ्न की सवारी निकली चित्रकूट लीला मंच पर हुआ मार्मिक मंचन

सवारी लीला के दौरान मौजूद मूल चंद गर्ग, जयंती प्रसाद अग्रवाल, पं. अमित भारद्वाज आदि।

यूनिक समय, मथुरा। श्री रामलीला सभा के तत्वाधान में चित्रकूट लीला मंच पर भरत मनावन और पादुका दान लीला का भावपूर्ण मंचन किया गया। भगवान श्रीराम से मिलने के लिए भरत और शत्रुघ्न की सवारी गोविंदगंज से शुरू होकर होली गेट, छत्ता बाजार, स्वामी घाट और चौक बाजार होते हुए लाल दरवाजा पहुंची। यहां निषादराज से भेंट के बाद सवारी चित्रकूट पहुंची।

लीला में भरत और शत्रुघ्न के सेना सहित चित्रकूट पहुंचने की सूचना मिलने पर लक्ष्मण क्रोधित हो जाते हैं, लेकिन श्रीराम उन्हें समझाते हैं कि भरत के मन में राज्य का कोई मोह नहीं है। भरत श्रीराम के समक्ष पहुंचकर साष्टांग प्रणाम करते हैं। इसके बाद श्रीराम, लक्ष्मण और माता सीता का गुरु वशिष्ठ तथा तीनों माताओं से भावपूर्ण मिलन होता है।

भरत और सभासदों के आग्रह के बावजूद श्रीराम पिता की आज्ञा का पालन करते हुए अयोध्या लौटने से इनकार कर देते हैं। अंत में भरत उनकी पादुकाएं मांगते हैं। श्रीराम पादुकाएं प्रदान करते हैं, जिन्हें भरत मस्तक पर धारण कर अयोध्या लौट जाते हैं। प्रसाद सेवा पूर्व ऊर्जा मंत्री रविकान्त गर्ग ने की। इस अवसर पर गोपेश्वर नाथ चतुर्वेदी, रविकांत गर्ग, जयन्ती प्रसाद अग्रवाल, नन्दकिशोर अग्रवाल, जुगलकिशोर अग्रवाल, मूलचन्द गर्ग, प्रदीप सर्राफ पीके, विजय सर्राफ किरोड़ी, शैलेश सर्राफ, अजय मास्टर, सुरेन्द्र शर्मा खौना, विनोद सर्राफ, संजय बिजली, अनूप टेंट, पं. अमित भारद्वाज, मदन मोहन श्रीवास्तव, अजयकान्त गर्ग, प्रदीप गोस्वामी, शैलेन्द्र हकीम और राम गोपाल शर्मा मौजूद रहे। अगली लीलाः 15 अक्टूबर को चित्रकूट लीला मंच, मसानी पर शाम सात बजे से खरदूषण वध और सीताहरण लीला का मंचन होगा।

कोसी की राम बारात में तीन झांकियां आईं श्रेष्ठ

यूनिक समय, कोसीकलां। श्री रामलीला संस्थान के तत्वावधान में मंगलवार को निकाली गई भव्य राम बारात में शामिल झांकियों में से सर्वश्रेष्ठ तीन झांकियों के परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। रामलीला संस्थान द्वारा की गई घोषणा के अनुसार, प्रथम स्थान मां विंध्यवासिनी की झांकी को मिला है। द्वितीय स्थान अवध बिहारी की झांकी को मिला है, जबकि तृतीय स्थान कार्य सिद्ध हनुमान जी की झांकी को मिला है। संस्थान के मीडिया प्रभारी नवल अग्रवाल ने बताया कि उक्त तीनों विजेता झांकी निर्माताओं को आगामी कार्यक्रम में सम्मानित किया जाएगा।

राज्यसभा सांसद निर्वाचित होने पर राम प्रताप चौहान को आरपी सिंह ने दी बधाई

यूनिक समय, कोसीकलां। भाजपा उत्तर प्रदेश के प्रदेश महामंत्री राम प्रताप चौहान को राज्यसभा सांसद निर्वाचित होने पर मथुरा से बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। जिला पंचायत सदस्य आर. पी. सिंह ने बुधवार को आगरा स्थित उनके निवास पर पहुंचकर पुष्पगुच्छ भेंट कर शुभकामनाएं प्रेषित की।

इस अवसर पर आर. पी. सिंह ने कहा कि राम प्रताप चौहान का राज्यसभा में जाना हम सभी कार्यकर्ताओं के लिए गर्व की बात है। उनके अनुभव और मार्गदर्शन में संगठन और भी मजबूत होगा। इस दौरान उनके साथ भ्राता अमित सिकरवार भी मौजूद रहे।

वन को गए श्रीराम, दर्शकों की आंखों से बहे आंसू

राम नाम का जप करने से बडी से बडी विपत्ति मिट जाती है: तरुण सेठ

यूनिक समय, कोसीकलां। तालाब शाही स्थित रामलीला ग्राउंड में गुरुवार की शाम वह हुआ, जिसने हर आंख को नम कर दिया। रामलीला संस्थान के तत्वाधान में चल रही रामलीला में जब वन गमन लीला का मंचन हुआ तो पंडाल में बैठे हजारों दर्शक सिसक पड़े।

लीला शुरू होने से पहले शाम पांच बजे लाला ग्यालाल स्मृति भवन से भव्य व्हालवे श्रीराम जी का डोला अन्य झांकियों के निकाला गया। शुभारंभ भाजपा नेता तरुण सेठ ने आरती उतार कर किया। डोला नगर के मुख्य मार्गों से होता हुआ झांकियों के साथ जब रामलीला ग्राउंड पहुंचा तो पूरा इलाका जय श्रीराम के जयकारों से गूंज उठा। मंच पर जैसे ही दृश्य बदला, कैकेयी ने राजा दशरथ से दो वर मांग लिए, भरत को राजगद्दी और राम को 14 वर्ष का वनवास। राजा दशरथ का विलाप, माता कौशल्या का आंसू और राम का मुस्कुराते हुए पिता की आज्ञा को स्वीकार करना।

स्थानीय कलाकारों ने इसे इतना जीवंत कर दिया कि पंडाल में सन्नाटा छा गया। जब माता सीता ने कहा कि नाथ, मैं भी चलूंगी वन में और लक्ष्मण मूर्छित होकर बोले कि भैया, आपके बिना अयोध्या में कैसे रहूंगा, तो पूरा पंडाल तालियों और जयकारों से गूंज उठा। इस मौके पर भाजपा नेता तरुण सेठ ने कहा कि संकट, विपत्ति और दुख के समय यदि हम मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम का नाम जाप करते हैं, अर्थात रामायण द्वारा बताए गए मार्ग पर चलते हैं, तो बडी से बडी विपत्ति और दुख सब मिट जाते हैं। श्रीराम जी की जीवन शैली हमें सिखाती है कि माता-पिता की आज्ञा, पत्नी का धर्म, छोटे भाईयों के प्रति कर्तव्य और राजा व प्रज्ञा में समन्वय के साथ मर्यादा में रहकर जीवन यापन करन चाहिए। इस अवसर पर रामलीला संस्थान के अध्यक्ष गिर्राज सिंह, राहुल जैन कामियां, खगेंद्र सिंह उर्फ बॉबी ठाकुर, मंत्री हैप्पी गर्ग, अनुराग तायल, सोनू हलवाई, नवल अग्रवाल, हरीश बिंदल, देवेश गौड, मनीष गुप्ता गुड वाले, अमित जैन, नवांशु अग्रवाल आदि संस्थान के पदाधिकारी और सदस्य मौजूद रहे।

सदर बाजार में धूमधाम से निकली श्रीराम बारात

रामलीला मंच पर श्रीराम आदि के स्वरूपों के साथ मौजूद पदाधिकारी आदि।

यूनिक समय, मथुरा। श्री सदर बाजार रामलीला कमेटी के तत्वावधान में श्रीराम बारात शोभायात्रा धूमधाम से निकाली गई। दिल्ली के प्रसिद्ध जिया बैंड की धार्मिक धुनों ने समां बांध दिया। करीब दो दर्जन झांकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। महादेव घाट और सैनी मोहल्ले के अखाड़ों के कलाकारों ने हैरतअंगेज करतब दिखाए। माली मोहल्ले से शुरू हुई शोभायात्रा विभिन्न बाजारों से होती हुई रामलीला मैदान पहुंची। यहां जनकपुरी सजाकर बारात का स्वागत किया गया और श्रीराम-सीता विवाह संपन्न हुआ। जगह-जगह पुष्पवर्षा और आरती से स्वागत किया गया।

इस अवसर पर कमेटी अध्यक्ष अलका उपमन्यु, यतेन्द्र मुकद्दम, नरेन्द्र सिंह, भोला यादव, रविन्द्र भारद्वाज, रवि यादव, डॉ. अशोक अग्रवाल, श्यामसुंदर उपाध्याय, नरेन्द्र भारद्वाज, महेंद्र चौधरी, मनोज शर्मा, भोले यादव, बांके शर्मा, प्रकाश ठाकुर, अनिल अग्रवाल, डॉ. शिवप्रताप सिंह चौहान, आलोक शर्मा, मोहन मीणा, बीएल पांडेय, गौरव शर्मा, बांकेलाल शर्मा, अजय सैनी, विनोद यादव, राजू यादव, गुंजन खत्री, पवन यादव, विष्णु सैनी, सुभाष यादव, गोविंद यादव, माधव उपमन्यु, शिवा चतुर्वेदी और सोनू अग्रवाल सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सुरक्षा व्यवस्था के लिए सदर बाजार थाना पुलिस तैनात रही।

राजीव एकेडमी के एमबीए विद्यार्थियों को सिखाए प्रबंधन के गुर

राजीव एकेडमी में एमबीए विद्यार्थियों को वित्तीय प्रबंधन की जानकारी देते रोहित वाजपेयी।

निवेश, शेयर बाजार और वित्तीय जोखिमों के प्रति किया जागरूक

वित्तीय समझ से सफल प्रबंधक बनना होगा आसानः रोहित वाजपेयी

यूनिक समय, मथुरा। राजीव एकेडमी फॉर टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट में वित्तीय जागरूकता पर अतिथि व्याख्यान आयोजित किया गया। इसमें सेबी से जुड़े विशेषज्ञ एवं अर्थशास्त्र के प्रोफेसर रोहित वाजपेयी ने एमबीए विद्यार्थियों को निवेश, बचत, शेयर बाजार और वित्तीय जोखिम प्रबंधन की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि भविष्य के प्रबंधकों के लिए किताबी ज्ञान के साथ वित्तीय मामलों की व्यावहारिक समझ भी जरूरी है। एमबीए विभाग की ओर से सेमिनार हॉल में आयोजित कार्यक्रम सेबी, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) और मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) के वित्तीय साक्षरता-निवेश जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत हुआ। रोहित वाजपेयी ने विद्यार्थियों को निवेश, तरलता, इक्विटी, कमोडिटी एक्सचेंज और वित्तीय बाजार की कार्यप्रणाली समझाई। उन्होंने कहा कि किसी भी निवेश से पहले उसके उद्देश्य, संभावित जोखिम और विश्वसनीयता का आकलन करना चाहिए। साथ ही, वित्तीय धोखाधड़ी से बचने और सोच-समझकर आर्थिक निर्णय लेने के लिए सतर्कता बरतने की सलाह दी। संस्थान के निदेशक डॉ. अमर कुमार सक्सेना ने कहा कि वित्तीय जागरूकता विद्यार्थियों को व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में बेहतर निर्णय लेने में मदद करती है। वहीं, चेयरमैन डॉ. रामकिशोर अग्रवाल ने कहा कि युवाओं को बचत, निवेश और जोखिम प्रबंधन की जानकारी हासिल कर जिम्मेदार एवं सक्षम प्रबंधक बनने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए।

औरंगाबाद में धूमधाम से निकली राम बारात

राम बरात में शामिल रामलीला कमेटी के पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। औरंगाबाद में रामलीला कमेटी की ओर से भव्य-दिव्य राम बारात निकाली गई। राम बारात में शामिल आकर्षक झांकियों ने लोगों का मन मोह लिया। वहीं काली डीजे की धुनों ने माहौल को भक्तिमय बना दिया। राम बारात को देखने के लिए कस्बे के लोगों में खासा उत्साह नजर आया। बच्चों, युवाओं, बुजुर्गों और महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

औरंगाबाद रामलीला कमेटी के महामंत्री ताराचंद्र अग्रवाल ने बताया कि इस वर्ष भी राम बारात धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ निकाली गई। मीडिया प्रभारी अखिलेश मिश्रा ने कहा कि राम बारात के आयोजन में कस्बावासियों का सहयोग सराहनीय रहा। लोगों के सहयोग और उत्साह से आयोजन भव्य बना।

ट्रैक्टर-ट्रॉली बाइक को 200 मीटर तक घसीटती ले गई

बंगाल के इंजीनियर की मौत

ठेकेदार गंभीर घायल

हादसे के बाद मौके पर जांच करते पुलिसकर्मी।

यूनिक समय, सुरीर। खैर-टैंटीगांव मार्ग पर सुदामागढ़ी गांव के समीप बुधवार को ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर से बाइक सवार इंजीनियर की मौके पर मौत हो गई, जबकि ठेकेदार गंभीर घायल हो गए। टक्कर के बाद ट्रैक्टर-ट्रॉली बाइक को करीब 200 मीटर तक घसीटती ले गई। हादसे के बाद चालक वाहन समेत फरार हो गया। झारखंड के मरकच्चो थाना क्षेत्र के गांव डेब्बा निवासी शंकर राणा भदनवारा में जल निगम की पानी की टंकी के निर्माण का ठेका ले रहे हैं और वर्तमान में राया में रहते हैं। बुधवार को वह बस से टैंटीगांव पहुंचे। उन्होंने निर्माण कार्य की देखरेख कर रहे पश्चिम बंगाल निवासी इंजीनियर रघुनाथ को बाइक लेकर बुलाया। इसके बाद दोनों भदनवारा लौट रहे थे। सुदामागढ़ी गांव के पास सामने से आ रही तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी।

टक्कर के बाद चालक ने वाहन नहीं रोका और बाइक को सड़क पर करीब 200 मीटर तक घसीटता ले गया। हादसे में इंजीनियर रघुनाथ की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि शंकर राणा गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर थाना प्रभारी अरुण कुमार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। घायल ठेकेदार को अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने इंजीनियर के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर परिजनों को सूचना दे दी है। थाना प्रभारी ने बताया कि फरार ट्रैक्टर-ट्रॉली चालक की तलाश की जा रही है।

कोसीकलां में दर्जनों लोगों के सिर से छत छिनने का खतरा

जमीन को लेकर अपनी समस्या बताते पीड़ित लोग।

150 साल पुरानी बस्ती पर बैनामे का साया

यूनिक समय, कोसीकलां। कोसीकलां में वक्फ की जमीन पर बैनामे का दावा कर दर्जनों गरीब लोगों को बेघर करने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। कब्रिस्तान और मस्जिद से सटी जमीन पर पिछले डेढ़ सौ साल से रह रहे 15-20 परिवारों में दहशत है। मामला बस स्टेंड के सामने का है, जहां बुधवार सुबह दो लोग हाथ में दस्तावेज लेकर पहुंचे। पीड़ित जाकिर हुसैन ने बताया कि उन्होंने आते ही कहा कि यह पूरी जमीन हमने खरीद ली है, आप लोग अपने 10-12 घर और चार दुकानें खाली कर दो। जाकिर ने बताया कि यहां दर्जनों लोग रहते हैं, जिसमें महिलाएं और छोटे बच्चे भी हैं। हम लोग यहां 150 साल से रह रहे हैं, हमारे बुजुर्ग भी यहीं रहे हैं। यह जमीन कब्रिस्तान वक्फ बोर्ड की है। अचानक आकर खाली करने की बात कहने से पूरा मोहल्ला दहशत में है। पीड़ितों का कहना है कि उनसे पहले कोई बातचीत या नोटिस नहीं दिया गया। सीधे धमकी दी गई है। महिलाओं का रो-रोकर बुरा हाल है, बच्चे डरे हुए हैं। पीड़ित परिवारों ने प्रशासन से मांग की है कि मामले की गहनता से जांच की जाए। वक्फ बोर्ड की जमीन के दस्तावेजों की पड़ताल हो और पीढ़ियों से रह रहे गरीब परिवारों को न्याय दिया जाए।

किसानों के नियमों से बंटने लगी डीएपी खाद

शेरगढ़ सहकारी संघ पर बुधवार को डीएपी लेने को खड़े किसान।

थानाध्यक्ष अजय किशोर ने संभाली व्यवस्था

150 किसानों को वितरण का लक्ष्य

यूनिक समय, शेरगढ़। कस्बे के क्षेत्रीय सहकारी संघ पर बुधवार को किसानों की ओर से तय नियमों के आधार पर डीएपी खाद का वितरण शुरू हुआ। व्यवस्था बनाए रखने के लिए थानाध्यक्ष अजय किशोर ने खुद मोर्चा संभाला। टोकन लेने के लिए सुबह से ही थाने के बाहर किसानों की कतार लग गई। खाद वितरण को लेकर पिछले दिनों किसानों के बीच निर्धारित नियमों के तहत खाद उपलब्ध कराने पर सहमति बनी थी। इसी क्रम में बुधवार को टोकन व्यवस्था लागू कर वितरण शुरू किया गया। किसानों को टोकन देने के बाद समिति पर डीएपी खाद उपलब्ध कराई गई। समिति के डायरेक्टर जनक गुर्जर ने पुलिस प्रशासन की देखरेख में वितरण प्रक्रिया संपन्न कराई। बुधवार को 150 किसानों को खाद वितरित करने का लक्ष्य रखा गया। इस दौरान किसानों की भीड़ को नियंत्रित रखने और वितरण व्यवस्था सुचारु बनाए रखने पर जोर दिया गया। इस मौके पर समिति के डायरेक्टर-पूर्व मंडल अध्यक्ष जनक गुर्जर, योगेश, आशीष सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

नौहझील में रामलीला मंचन के दौरान भावुक हुए श्रद्धालु

रामलीला मंचन करते कलाकार।

दशरथ मरण और भरत मिलाप लीला देख दर्शकों की आंखें हुईं नम

यूनिक समय, नौहझील। कस्बे में चल रहे 120वें रामलीला महोत्सव में मंगलवार रात दशरथ मरण और भरत मिलाप लीला का भावपूर्ण मंचन किया गया। महाराज दशरथ को श्रवण कुमार के माता-पिता का श्राप याद आता है। वह महारानी कौशल्या को पूरी घटना बताते हैं। इसके बाद दशरथ के प्राण त्यागने का मंचन हुआ। भरत और शत्रुघ्न को ननिहाल से अयोध्या बुलाया जाता है। भरत अयोध्या का राजसिंहासन स्वीकार करने से इनकार कर देते हैं और गुरु वशिष्ठ के साथ भगवान श्रीराम, लक्ष्मण और सीता से मिलने वन पहुंचते हैं। वन में भगवान श्रीराम और भरत के मिलाप का दृश्य देखकर दर्शकों की आंखों से आंसू छलक पड़े। भगवान श्रीराम अपनी चरण पादुकाएं भरत को सौंपकर अयोध्या लौटने के लिए भेज देते हैं। इस मौके पर अध्यक्ष अशोक भारद्वाज, उपाध्यक्ष महेश पुरोहित, महामंत्री मोरध्वज अग्रवाल, मंत्री संजय पाठक, ऑडिटर धर्मपाल पाठक, संगठन मंत्री रमन बिहारी भारद्वाज, सूचना प्रसारण मंत्री हजारीलाल गुप्ता, मनोज पाठक, शंकर त्रिपाठी, विनोद शर्मा और संतोष भारद्वाज सहित रामलीला समिति के सैकड़ों सदस्य मौजूद रहे।

खुली टंकी से नालियों में बह रहा पानी, महिलाओं की बढ़ी परेशानी

कहीं पानी की बर्बादी, कहीं बूंद-बूंद को तरसे ग्रामीण

यूनिक समय, सुरीर। एक ही गांव में पानी की दो तस्वीरें सामने हैं। कहीं खुली टंकी और मोटरों से पानी नालियों में बहकर बर्बाद हो रहा है, तो कहीं लोग बूंद-बूंद के लिए तरस रहे हैं। क्षेत्र की औहावा पंचायत के गांव औहावा नगला में मंदिर मोहल्ले वाली गली, बीच बाखर वाली गली और पथवारी मोहल्ले के ग्रामीण पिछले तीन-चार वर्षों से पेयजल संकट झेल रहे हैं। इसके बावजूद समस्या का समाधान नहीं हो सका है। गांव में पानी की इस असमान व्यवस्था ने ग्रामीणों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। ग्रामीणों के अनुसार, गांव के एक हिस्से में खुली टंकी और मोटरों के जरिये पर्याप्त पानी मिल रहा है, जबकि प्रभावित मोहल्लों में वाटर सप्लाई नहीं पहुंच रही। पानी की बर्बादी और दूसरी ओर बनी किल्लत व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रही है। ग्रामीणों का कहना है कि जब गांव में जलापूर्ति की व्यवस्था मौजूद है, तो कुछ गलियों तक पानी क्यों नहीं पहुंच रहा। ग्रामीणों का आरोप है कि पेयजल समस्या को लेकर कई बार ग्राम प्रधान के पति से शिकायत की गई, लेकिन प्रभावित गलियों में जलापूर्ति बहाल नहीं हुई। ग्रामीण महिलाओं मोहन देवी, सीमा और हेमलता सहित नंदकिशोर, दिनेश, लाखन, बंशराम, रवि, सरोज, राजकुमारी, गुड़िया, रामवती और ओमप्रकाश ने जिला प्रशासन से हस्तक्षेप कर नियमित जलापूर्ति सुनिश्चित कराने की मांग की है। जहां पानी व्यर्थ बह रहा है, वहां बर्बादी रोकने के लिए भी प्रभावी कदम उठाने की मांग की है।

कला को मजहब से ऊपर मानते हैं जाबिर, बोले- दिल में बसते हैं श्रीराम

मुस्लिम परिवार के हाथों आकार ले रहा 75 फुट रावण

जाबिर फारूकी के परिवार के हाथों आकार ले रहे रावण और कुंभकरण

मुस्लिम कारीगरों द्वारा बनाए गए रावण आदि के मुखौटे।

यूनिक समय, कोसीकलां। एक ओर धर्म के नाम पर दूरियां बढ़ाने की कोशिशें होती हैं, वहीं कोसीकलां की रामलीला में एक मुस्लिम परिवार अपनी कला से आपसी भाईचारे का संदेश दे रहा है। मथुरा के भरतपुर गेट निवासी जाबिर फारूकी अपने परिवार के 15 सदस्यों के साथ पिछले एक महीने से रावण, मेघनाद और कुंभकरण के पुतले बनाने में जुटे हैं। जाबिर का कहना है कि कलाकार का कोई मजहब नहीं होता। कला ही उनका मजहब है और उनके दिल में श्रीराम के लिए गहरी आस्था है। जाबिर बताते हैं कि उनका परिवार कई पीढ़ियों से रामलीला के लिए पुतले बनाने का काम करता आ रहा है। दादा-परदादा के समय से ही हिंदू परिवारों के साथ मेलजोल और आत्मीयता रही है। रामायण सुनते-सुनते श्रीराम के प्रति श्रद्धा बढ़ी और उन्होंने इस परंपरा को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। तभी से हर साल रामलीला के लिए पुतले तैयार करते हैं।

परिवार के अन्य काम-धंधे भी हैं, लेकिन रामलीला का महीना आते ही सभी पुतले बनाने में जुट जाते हैं। जाबिर कहते हैं कि वह यह काम केवल कमाई के लिए नहीं, बल्कि आत्मसंतुष्टि के लिए करते हैं। पुतले नहीं बनाते तो लगता है कि त्योहार अधूरा रह गया। उनका मानना है कि इंसान की पहचान उसके धर्म से ज्यादा उसके कर्म और व्यवहार से होती है।

इस बार होगा भव्य रावण दहन

जाबिर के अनुसार, इस बार 75 फुट ऊंचा रावण तैयार किया जा रहा है। राजसी वेशभूषा, सुनहरे मुकुट, लंबी मूंछों, तलवार और ढाल से सुसज्जित रावण का पुतला आकर्षण का केंद्र बनेगा। उसके सिर पर छत्र होगा। पुतले में सिर हिलाने, ठहाके लगाने और आंखों से रोशनी निकलने जैसी विशेषताएं भी रखी जा रही हैं। वहीं, 60 फुट ऊंचे कुंभकरण और मेघनाद के पुतले भी तैयार किए जा रहे हैं। करीब एक महीने की मेहनत के बाद पुतले अंतिम रूप ले रहे हैं।

राम बारात में बाराती बनकर शामिल हुए कैबिनेट मंत्री चौधरी लक्ष्मीनारायण का हुआ स्वागत

राम बारात में शामिल कैबिनेट मंत्री चौधरी लक्ष्मीनारायण, पालिकाध्यक्ष धर्मवीर अग्रवाल, प्रतिनिधि नरदेव चौधरी।

यूनिक समय, कोसीकलां। तोताराम मंदिर से मंगलवार को राम बारात बड़ी धूमधाम से निकाली गई। आगे-आगे करीब एक झांकियां और बैंडबाजे चल रहे थे। रथ पर सवार राजा दशरथ और उनके पुत्र भरत-शत्रुघ्न सफेद अश्वों पर सवार होकर चल रहे थे, जो लोगों के आकर्षण का केंद्र बने रहे। इस भव्य बारात में प्रदेश के कैबिनेट मंत्री चौधरी लक्ष्मीनारायण, भाजपा नेता तरुण सेठ, मंत्री प्रतिनिधि नरदेव चौधरी, अग्रवाल सभा के अध्यक्ष संजीब जाबिया, देशबंधु अग्रवाल, अग्रवाल सभा के पूर्व अध्यक्ष कमल किशोर वार्ष्णेय, रामलीला संस्थान के अध्यक्ष गिर्राज सिंह, बॉबी ठाकुर, राहुल जैन कामिया, हैप्पी गर्ग सहित सैकड़ों नगरवासी बाराती बनकर शामिल हुए। बारात के भरत मिलाप चौक, जनकपुरी पहुंचने पर वधू पक्ष की ओर से त्रिलोचन शेरगढ़िया और सोनू शेरगढ़िया ने बारातियों का स्वागत किया। इस दौरान केबीनेट मंत्री चौधरी लक्ष्मी नारायण ने कहा कि कोसीकलां की पावन धरा पर निकल रही श्रीराम की यह भव्य बारात हमें सीधे त्रेता युग में ले जाती है। उन्होंने रामलीला संस्थान और राम भक्तों को राम बारात के सफल आयोजन पर बधाई दी।

सुविचार

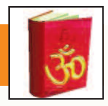

"जो लोग गिरकर भी उठते हैं, उन्हें ही असली सफलता मिलती है।"

कल का पंचांग

तिथि	पंचमी	01:13-03:25 तक	पक्ष	शुक्ल पक्ष
नक्षत्र	ज्येष्ठा	04:03-06:47 तक	माह	आश्विन
सूर्योदय		6:24 AM	चन्द्रोदय	10:36 AM
सूर्यास्त		5:52 PM	चंद्रास्त	09:06 PM
सूर्य राशि		कन्या राशि	चंद्र	वृश्चिक राशि
शुभ मुहूर्त		11:51AM–12:41 PM	ब्रहम् मुहूर्त	04:36-05:25
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल		12:06 PM: 01:32 PM	वार	गुरुवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

मां कूष्मांडा की आराधना को उमड़े श्रद्धालु,जयकारों से गूंजे देवी मंदिर

नवरात्र के चतुर्थ दिन महाविद्या देवी मंदिर में पूजा और दर्शन करते श्रद्धालु।

चौथे दिन महाविद्या बगलामुखी और कंकाली देवी मंदिर में लगी भक्तों की कतारें

घर-घर जले आस्था के दीप, सुख-समृद्धि की कामना से की पूजा-अर्चना

घरों में भी गूंजे माता रानी के जयकारे

यूनिक समय, मथुरा। शारदीय नवरात्र के चौथे दिन कान्हा की नगरी मां कूष्मांडा की भक्ति में सराबोर रही।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, मां कूष्मांडा को सृष्टि की आदिशक्ति माना जाता है। कहा जाता है कि उन्होंने अपनी मंद मुस्कान से ब्रह्मांड की रचना की थी, इसी कारण उनका नाम कूष्मांडा पड़ा। मां का स्वरूप तेजस्वी और दिव्य है। उनकी आठ भुजाएं होने के कारण उन्हें अष्टभुजा देवी भी कहा जाता है। भक्त मानते हैं कि मां की सच्चे मन से पूजा करने पर जीवन में सुख, समृद्धि, ऊर्जा और सकारात्मकता का संचार होता है।

सुबह से ही देवी मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। हाथों में पूजा की थाली, पुष्प और प्रसाद लेकर पहुंचे भक्तों ने माता रानी के दर्शन कर परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। घंटे-घड़ियाल की गूंज और माता रानी के जयकारों से मंदिर परिसर भक्तिमय हो उठे।

शहर के महाविद्या देवी मंदिर, मां बगलामुखी मंदिर और मां कंकाली देवी मंदिर सहित विभिन्न देवी मंदिरों में सुबह से ही भक्तों का तांता लगा रहा।

श्रद्धालुओं ने मां को चुनरी, नारियल, पुष्प और प्रसाद अर्पित कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की।

आरती के दौरान भक्त माता रानी की भक्ति में लीन नजर आए। नवरात्र का उल्लास मंदिरों के साथ घरों में भी दिखाई दिया। श्रद्धालुओं ने पूजा स्थलों को सजाकर दीप प्रज्वलित किए और मां कूष्मांडा की आराधना की। महिलाओं ने पूजा की थाली सजाकर आरती की और परिवार की मंगलकामना की। कई परिवारों में नौ दिन के व्रत रखकर सुबह-शाम पूजा और भजन-कीर्तन किए जा रहे हैं।

जिलेभर में दिखा नवरात्र का उत्साह

मथुरा के साथ गोवर्धन, बरसाना, फरह, छाता, कोसीकलां, वृंदावन, राया और मांट सहित जिले के विभिन्न क्षेत्रों में भी नवरात्र की धूम रही। ग्रामीण क्षेत्रों के देवी मंदिरों में श्रद्धालुओं ने दर्शन-पूजन कर माता रानी के प्रति अपनी आस्था प्रकट की।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

JAIGURUDEV
MULTISPECIALITY HOSPITAL
मथुरा में सबसे कम दरों पर समस्त स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएँ उपलब्ध
हमारी टीम के अनुभवी एवं विशेषज्ञ डॉक्टर
डॉ. अनिल कुमार गौतम M.B.B.S, M.D., MEDICINE (CONSULTANT PHYSICIAN)
डॉ. दुर्गेश कुमार M.B.B.S, D.N.B., ORTHO-SUR. JOINT REPLACEMENT
डॉ. वी. के. पांडे M.B.B.S. M.S. Ortho
डॉ. संदीप गोवर्धन चौहान M.B.B.S, D.N.B., NEURO SURGEON
डॉ. इला अग्रवाल M.B.B.S. M.S. Ortho
डॉ. एकता थडानी M.B.B.S., DNB. (OBGY)
डॉ. सी. एम. मवार M.B.B.S. DVD. MIADVI
डॉ. नितेश जिंदल MBBS, MD, MEDICINE
डॉ. नरेश अग्रवाल M.B.B.S., D.C.H
डॉ. अर्पण मौर्य M.B.B.S., M.S. (SURGERY) F.M.A.S F.I.A.G.E.S GERASER SURGO &
डॉ. मनदीप यादव D.P.T B.P.T
डॉ. चेतना अग्रवाल B.D.S., MIDA
डॉ. हरि प्रसाद (B.H.M.S) CONSULTANT HOMOEOPATH
डॉ. एम. माहेश्वरी M.B.B.S. (MS) OPTHOLMALOGY
आपातकालीन मो.नं. 7078877006 8650777901, 8953925593
Maholi Link Road, Mathura (U.P.)
आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत ₹5 लाख तक का नि:शुल्क उपचार
आयुष्मान कार्ड धारकों का स्वागत है

दुर्गा पूजा में महिलाएं जीभ हिलाकर निकालती हैं 'उलू-उलू' की आवाज

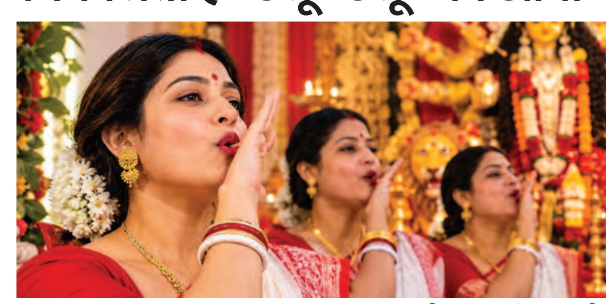

यूनिक समय, मथुरा। पश्चिम बंगाल की दुर्गा पूजा अपनी भव्य सजावट, ढाक की थाप और धार्मिक परंपराओं के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है।

इसी उत्सव की एक अनूठी पहचान है महिलाओं द्वारा निकाली जाने वाली 'उलू-उलू' की आवाज। इसे उलू ध्वनि या उलुध्वनि कहा जाता है। खास बात यह है कि इस आवाज को निकालने के लिए किसी वाद्य यंत्र की जरूरत नहीं होती, बल्कि महिलाएं अपनी जीभ को तेजी से हिलाकर लहराती हुई ध्वनि निकालती हैं। बंगाली संस्कृति में उलू ध्वनि को खुशी, उत्साह और शुभ अवसरों का प्रतीक माना जाता है। दुर्गा पूजा के दौरान देवी की आरती, सिंदूर खेला और विसर्जन जैसे अवसरों पर महिलाएं सामूहिक रूप से यह ध्वनि निकालती हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इसे मंगलकारी माना जाता है और कुछ परंपराओं में नकारात्मक शक्तियों से बचाव से भी जोड़ा जाता है। हालांकि, ये आस्था और परंपरा से जुड़ी मान्यताएं हैं।

बंगाल की सदियों पुरानी सांस्कृतिक परंपरा

खुशी और मंगलकामना का प्रतीक है उलू ध्वनि

उलू ध्वनि का महत्व केवल दुर्गा पूजा तक सीमित नहीं है। बंगाली परिवारों में शादी, बच्चे के जन्म और गृह प्रवेश जैसे मांगलिक अवसरों पर भी इसे निकाला जाता है। जब महिलाएं एक साथ उलू ध्वनि करती हैं, तो वातावरण उत्सव और उल्लास से भर जाता है। यह परंपरा पीढ़ियों से चली आ रही है और बंगाल की सांस्कृतिक पहचान का अहम हिस्सा बनी हुई है। दुर्गा पूजा में ढाक की थाप, शंखनाद और उलू ध्वनि का संगम उत्सव को विशिष्ट बनाता है। यह परंपरा धार्मिक आस्था के साथ महिलाओं की सामूहिक भागीदारी और बंगाल की समृद्ध लोकसंस्कृति को भी दर्शाती है।

जन्मतिथि से जानें, किस देवी की कृपा बरसेगी आप पर

यूनिक समय, मथुरा। शारदीय नवरात्र में मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा-अर्चना की जाती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, हर देवी स्वरूप का अपना विशेष महत्व है। वहीं अंक ज्योतिष में जन्मतिथि के आधार पर व्यक्ति का जन्मांक निकाला जाता है और उसे ग्रहों से जोड़कर देखा जाता है। मान्यता है कि जन्मांक के अनुसार देवी की आराधना करने से आत्मविश्वास, साहस और सकारात्मकता की प्रेरणा मिलती है।

ऐसे निकालें अपना जन्मांक

जन्मांक जानने के लिए जन्म की तारीख के अंकों को जोड़कर एक अंक प्राप्त किया जाता है। जैसे, किसी का जन्म 27 तारीख को हुआ है तो 2+7=9, यानी जन्मांक 9 होगा। वहीं 5 तारीख को जन्मे व्यक्ति का जन्मांक 5 माना जाएगा।

जन्मांक 1 वालों के लिए मां कूष्मांडा

जिनका जन्म किसी भी महीने की 1, 10, 19 या 28 तारीख को हुआ है, उनका जन्मांक 1 होता है। अंक ज्योतिष में इसे सूर्य से जोड़ा जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, ऐसे जातक नवरात्र में मां कूष्मांडा की पूजा कर सकते हैं। मां कूष्मांडा को सृष्टि की आदिशक्ति माना जाता है। यह ध्यान रहे कि जन्मांक और देवी पूजा से जुड़े ये विचार धार्मिक व ज्योतिषीय मान्यताओं पर आधारित हैं।

चाणक्य के यह मंत्र अपनाएं, जेब रहेगी भरी और सपने होंगे पूरे

यूनिक समय, मथुरा। आज के युवा अच्छी नौकरी, शानदार लाइफस्टाइल और आर्थिक आजादी का सपना देखते हैं। लेकिन बढ़ते खर्च, ऑनलाइन शॉपिंग और जल्दी अमीर बनने की चाहत में कई बार कमाई तो होती है, मगर बचत नहीं हो पाती। ऐसे में आचार्य चाणक्य की नीतियां युवाओं को पैसे की अहमियत समझने और सही वित्तीय फैसले लेने की प्रेरणा दे सकती हैं। उनके विचारों से सीख लेकर आज भी आर्थिक भविष्य को बेहतर बनाया जा सकता है।

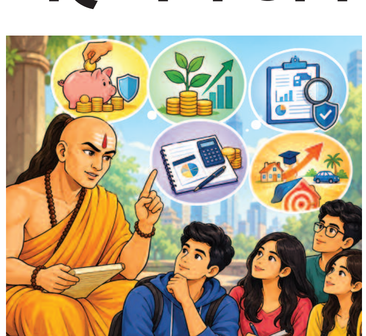

मुश्किल वक्त के लिए बचाएं पैसा

जिंदगी में कब कौन-सी परेशानी आ जाए, कोई नहीं जानता। नौकरी छूटने, बीमारी या अचानक आए खर्चों से निपटने के लिए इमरजेंसी फंड बनाएं। शुरुआत छोटी बचत से करें और धीरे-धीरे कम से कम 3 से 6 महीने के जरूरी खर्च के बराबर रकम जुटाने का लक्ष्य रखें।

कमाई के लिए एक ही रास्ते पर न रहें

आर्थिक मजबूती के लिए अपनी पूरी बचत किसी एक निवेश में लगाने से बचें। अपनी जरूरत और जोखिम उठाने की क्षमता के अनुसार अलग-अलग निवेश विकल्पों को समझें। याद रखें, निवेश में विविधता जोखिम घटाने में मदद कर सकती है, लेकिन नुकसान की संभावना पूरी तरह खत्म नहीं करती।

बिना जांच-पड़ताल न लगाएं पैसा

सोशल मीडिया पर दिखने वाले बड़े रिटर्न के वादों से प्रभावित होकर निवेश न करें। किसी भी योजना में पैसा लगाने से पहले उसकी विश्वसनीयता, शुल्क, जोखिम और पैसे निकालने की शर्तों को अच्छी तरह समझें। जल्दी अमीर बनने के बजाय सोच-समझकर आगे बढ़ें।

आज की समझदारी, कल की आर्थिक आजादी की तैयारी

कमाई से बचत तक, आर्थिक मजबूती के मंत्र

कमाई और खर्च का रखें हिसाब

हर महीने आपकी कमाई कहां खर्च हो रही है, इसका रिकॉर्ड रखें। गैरजरूरी खरीदारी और बेकार सब्सक्रिप्शन पर लगाम लगाएं। बजट बनाकर चलने से बचत बढ़ाने और आर्थिक लक्ष्यों को हासिल करने में मदद मिलती है।

पैसे को भविष्य की ताकत बनाएं

पैसा केवल खर्च करने के लिए नहीं, बल्कि भविष्य संवारने का साधन भी है।

अपनी शिक्षा, नए कौशल और करियर पर निवेश करें। नियमित बचत और लंबे समय की योजना से आर्थिक आजादी की राह आसान हो सकती है।

याद रखें: आर्थिक सफलता केवल ज्यादा कमाने से नहीं, बल्कि पैसे को समझदारी से संभालने से मिलती है। आज की छोटी बचत और सही आदतें कल आपके बड़े सपनों की नींव बन सकती हैं।

सम्पादकीय

नींद बेचकर सुरक्षा, आखिर कैसी है हमारी व्यवस्था

समाज को चौबीस घंटे सुरक्षा चाहिए, गाड़ी चलाने वाला हर वक्त चौकन्ना चाहिए और डिलीवरी भी समय पर चाहिए। लेकिन इन सेवाओं को देने वाले कर्मचारियों को भरपेट भोजन और चैन की नींद मिले, इसकी चिंता शायद किसी को नहीं है। हमारी व्यवस्था का यही सबसे बड़ा व्यंग्य है कि काम करने वाले की आंखें बंद होने लगें, तब भी उससे उम्मीद की जाती है कि वह दूसरों की आंख–कान बनकर खड़ा रहे।

मुंबई–पुणे एक्सप्रेस–वे पर कैब चालक को नींद से जूझते देखकर यात्री मनोज मालपानी ने खुद गाड़ी चलाने का फैसला किया। यह घटना केवल एक यात्री की सूझबूझ नहीं, बल्कि उस व्यवस्था पर सवाल है, जिसमें चालक की थकान सड़क पर चल रहे दूसरे लोगों की जान के लिए खतरा बन सकती है। आखिर कोई ड्राइवर लगातार काम करने को मजबूर क्यों होता है? क्या उसकी आजीविका इतनी कमजोर है कि आराम करना भी उसे महंगा पड़ता है? यही तस्वीर आवासीय सोसायटियों के सुरक्षा गार्डों की भी है। जिनसे रातभर जागकर दूसरों की संपत्ति की रक्षा करने की उम्मीद की जाती है, उनमें से कई कम वेतन के कारण दूसरी नौकरी करने को मजबूर हैं। दिन में काम, रात में ड्यूटी और बीच में अधूरी नींद। फिर भी उम्मीद यही कि गार्ड हर आहट पर चौकन्ना रहे। मानो वह इंसान नहीं, बैटरी से चलने वाली मशीन हो, जिसे थकने का अधिकार ही न हो। विडंबना देखिए, हम सुरक्षा में जरा–सी चूक पर कर्मचारी को तुरंत दोषी ठहरा देते हैं, लेकिन उसकी थकान और मजबूरी पर सवाल नहीं करते। कम वेतन देकर अधिक काम लेना हमें किफायती लगता है, पर दुर्घटना, चोरी या स्वास्थ्य बिगड़ने की कीमत कहीं ज्यादा हो सकती है। नींद की कमी निर्णय लेने की क्षमता, प्रतिक्रिया और एकाग्रता को प्रभावित करती है। ऐसे में थका हुआ चालक, गार्ड या डिलीवरी कर्मचारी केवल अपनी नहीं, दूसरों की जिंदगी भी जोखिम में डाल सकता है। समस्या का समाधान कर्मचारियों को उपदेश देने से नहीं निकलेगा। जरूरी है कि काम के घंटे व्यावहारिक हों, आराम का समय मिले और वेतन इतना हो कि कर्मचारी को गुजारे के लिए लगातार दूसरी शिफ्ट न करनी पड़े। कंपनियों और ठेकेदारों को भी अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। आखिर सेवा की गुणवत्ता केवल वर्दी, मोबाइल एप और चमकदार विज्ञापनों से नहीं आती; उसके पीछे काम करने वाले इंसान की हालत भी मायने रखती है।

पवन गौतम
संपादक

संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

निष्कर्ष साफ है: आजीविका जीवन चलाने के लिए होनी चाहिए, जीवन को खतरे में डालने के लिए नहीं।

यदि हम चाहते हैं कि चालक सुरक्षित पहुंचाए, गार्ड सतर्क रहे और कर्मचारी जिम्मेदारी से काम करे, तो उसे आराम और सम्मानजनक वेतन भी देना होगा। वरना हम ऐसी व्यवस्था चलाते रहेंगे, जिसमें सुरक्षा की कीमत बचाने के चक्कर में जिंदगी ही दांव पर लग जाएगी।

नजरिया

चुनावी विवाद छोड़िए, मतदाता सूची की व्यवस्था सुधारिए

कमलेश पांडेय

लोकतंत्र की असली ताकत जनता के मताधिकार में निहित है। चुनाव केवल सरकार चुनने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि नागरिकों के विश्वास, संवैधानिक अधिकारों और जनभागीदारी का आधार हैं। ऐसे में मतदाता सूची में गड़बड़ियां, पात्र नागरिकों के नाम गायब होना, दोहरी प्रविष्टियां और मृत व्यक्तियों के नाम दर्ज रहना गंभीर सवाल खड़े करते हैं। जब भी ऐसी शिकायतें सामने आती हैं, राजनीतिक दलों के बीच आरोप–प्रत्यारोप शुरू हो जाते हैं। कोई चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाता है, तो कोई अधिकारियों की नीयत पर संदेह जताता है। लेकिन मूल सवाल यह है कि क्या केवल अधिकारियों को कठघरे में खड़ा करने से समस्या का स्थायी समाधान निकल सकता है? अब समय आ गया है कि व्यक्तियों पर आरोप लगाने के साथ–साथ मतदाता सूची तैयार करने की नीति और प्रक्रिया की भी व्यापक समीक्षा की जाए।

मतदाता सूची तैयार करना सामान्य प्रशासनिक काम नहीं, बल्कि करोड़ों नागरिकों के लोकतांत्रिक अधिकारों से जुड़ी जिम्मेदारी है। इसमें नए मतदाताओं का पंजीकरण, मृत व्यक्तियों के नाम हटाना, स्थानांतरित नागरिकों के विवरण में संशोधन करना और दोहरी प्रविष्टियों की पहचान करना शामिल है। इतनी व्यापक प्रक्रिया में त्रुटियों की आशंका को पूरी तरह नकारा नहीं जा सकता। लेकिन लोकतांत्रिक व्यवस्था की विश्वसनीयता इसी बात से तय होती है कि गलतियों को रोकने, शिकायतों का समाधान करने और जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय करने के लिए कितनी प्रभावी व्यवस्था बनाई गई है।

विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर जैसी प्रक्रियाओं के दौरान मतदाता सूची की शुद्धता और पात्र नागरिकों के अधिकारों को लेकर बहस तेज होना स्वाभाविक है। एक ओर गलत प्रविष्टियों को हटाना आवश्यक है, तो दूसरी ओर यह सुनिश्चित करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि कोई वास्तविक मतदाता प्रशासनिक चूक के कारण अपने अधिकार से वंचित न हो। इन दोनों उद्देश्यों के बीच संतुलन बनाना ही चुनावी व्यवस्था की असली परीक्षा है। किसी दल की आलोचना या समर्थन के आधार पर मतदाता सूची से जुड़ी शिकायतों का मूल्यांकन नहीं किया जाना चाहिए। यदि कहीं फर्जी दस्तावेजों के आधार पर पंजीकरण, जानबूझकर गलत प्रविष्टियां या राजनीतिक पक्षपात के प्रमाण मिलते हैं, तो उनकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। दोषी पाए जाने वाले अधिकारियों और संबंधित व्यक्तियों की

जवाबदेही तय की जानी चाहिए। लेकिन बिना प्रमाण किसी अधिकारी या पूरे संस्थान को दोषी ठहराना उचित नहीं है। चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठें तो उनका उत्तर तथ्यों, पारदर्शिता और कानूनी प्रक्रिया के माध्यम से दिया जाना चाहिए।

मतदाता सूची की शुद्धता का अर्थ केवल गलत नाम हटाना नहीं है। इसका वास्तविक अर्थ है कि प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम सूची में दर्ज हो और गलत प्रविष्टियों को नियमानुसार सुधारा जाए। यदि किसी योग्य मतदाता का नाम सूची से गायब हो जाता है, तो उसकी लोकतांत्रिक भागीदारी प्रभावित होती है। इसलिए नाम हटाने की प्रक्रिया में विशेष सावधानी आवश्यक है।

किसी व्यक्ति के नाम, उम्र या पते में समानता होने मात्र से उसे दूसरी प्रविष्टि का हिस्सा मान लेना उचित नहीं होगा। इसी प्रकार स्थान बदलने, दस्तावेजों में अंतर होने अथवा सत्यापन के समय अनुपस्थित रहने को स्वतः अपात्रता का आधार नहीं बनाया जाना चाहिए। प्रत्येक मामले में निर्धारित नियमों के अनुसार सत्यापन और आवश्यक सुनवाई का अवसर मिलना चाहिए। मतदाता पहचान पत्र और मतदाता सूची में दर्ज नाम का संबंध भी स्पष्ट रूप से समझना जरूरी है। केवल पहचान पत्र होने से मतदाता सूची में नाम दर्ज होने की पुष्टि नहीं होती। इसलिए नागरिकों को समय रहते अपना नाम जांचने और किसी विसंगति की स्थिति में निर्धारित प्रक्रिया के तहत सुधार कराने के लिए जागरूक करना चाहिए। व्यवस्था ऐसी हो कि इस प्रक्रिया में अनावश्यक भागदौड़ न करनी पड़े और पात्र नागरिकों को समय पर राहत मिल सके। डिजिटल तकनीक मतदाता सूची को अधिक व्यवस्थित और विश्वसनीय बनाने में मदद कर सकती है। ऑनलाइन पंजीकरण, डिजिटल रिकॉर्ड और दोहरी प्रविष्टियों की पहचान से प्रक्रिया सरल हो सकती है। लेकिन तकनीक को अंतिम निर्णायक मान लेना उचित नहीं होगा। गलत डेटा, नामों की समानता या तकनीकी त्रुटियों के कारण वास्तविक मतदाताओं के विवरण भी प्रभावित हो सकते हैं। ऐसी परिस्थितियों में मानवीय समीक्षा और सुधार का प्रभावी विकल्प उपलब्ध होना चाहिए। आधार जैसे पहचान दस्तावेजों का उपयोग करते समय कानूनी प्रावधानों, गोपनीयता और निर्धारित प्रक्रिया का ध्यान रखना आवश्यक है। मतदाता पंजीकरण के लिए कानून में निर्धारित पात्रता और सत्यापन के नियमों का ही पालन होना चाहिए। मैदानी स्तर पर मतदाता सूची तैयार करने वाले कर्मचारियों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। बूथ स्तर के अधिकारियों को घर–घर सत्यापन, आवेदन जांचने और निर्धारित समय में रिकॉर्ड अद्यतन करने जैसे अनेक कार्य करने पड़ते हैं। यदि उनके पास पर्याप्त समय, प्रशिक्षण और संसाधन नहीं हैं, तो त्रुटियों की आशंका बढ़ सकती है। इसलिए किसी गलती की जांच करते समय यह भी देखना चाहिए कि वह जानबूझकर की गई थी या कार्यप्रणाली की कमी के कारण हुई। जहां लापरवाही या पक्षपात साबित हो, वहां कार्रवाई होनी चाहिए। वहीं, अस्पष्ट दिशा–निर्देशों, अत्यधिक कार्यभार या तकनीकी बाधाओं के कारण पैदा हुई समस्याओं को दूर करने के लिए सुधारात्मक कदम उठाने चाहिए।

मतदाता सूची से संबंधित शिकायतों के लिए ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए, जिसमें नागरिक आसानी से आवेदन कर सके और उसे समयबद्ध उत्तर मिल सके। नाम जोड़ने, विवरण सुधारने या गलत तरीके से नाम हटाए जाने के मामलों में आवेदन की स्थिति जानने तथा निर्णय का कारण समझने की सुविधा होनी चाहिए। जहां नियम अनुमति दें, वहां अपील और पुनर्विचार की प्रक्रिया भी सुलभ होनी चाहिए। चुनाव आयोग को पुनरीक्षण के दौरान प्राप्त आवेदनों और शिकायतों के निस्तारण से संबंधित जानकारी उचित कानूनी सीमाओं तथा व्यक्तिगत गोपनीयता का ध्यान रखते हुए सार्वजनिक करनी चाहिए। इससे राजनीतिक दलों और नागरिकों का भरोसा बढ़ेगा।

अंततः मतदाता सूची का प्रश्न किसी एक राजनीतिक दल, अधिकारी या चुनाव तक सीमित नहीं है। यह लोकतंत्र की विश्वसनीयता का प्रश्न है। राजनीतिक दलों को आरोपों से आगे बढ़कर व्यावहारिक सुधारों पर सहमति बनानी चाहिए। चुनाव आयोग को पारदर्शिता और जवाबदेही मजबूत करनी चाहिए तथा प्रशासन को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि किसी पात्र नागरिक का मताधिकार अनावश्यक रूप से प्रभावित न हो। संसद और संबंधित संस्थाओं को भी मतदाता सूची तैयार करने की नीति की नियमित समीक्षा कर आवश्यक सुधारों पर विचार करना चाहिए।

विचार विंडो

आंदोलन की असली ताकत भीड़ नहीं, जनविश्वास है

राम किशन अग्रवाल

लोकतंत्र में आंदोलन जनता की आवाज होते हैं। जब व्यवस्था में कमियां बढ़ती हैं, अधिकारों का हनन होता है या जनसमस्याओं की अनदेखी की जाती है, तब सड़क पर उठने वाली आवाज बदलाव की उम्मीद जगाती है। लेकिन आज एक बड़ा सवाल सामने है कि क्या हर आंदोलन अपने मूल उद्देश्य की ओर बढ़ रहा है, या जनता के असंतोष को राजनीतिक स्वार्थों की भेंट चढ़ाया जा रहा है? आंदोलन की सफलता भीड़, नारों और विरोध की अवधि से नहीं, बल्कि उसकी सार्थकता, दिशा और जनविश्वास से तय होनी चाहिए।

लोकतंत्र की खूबसूरती यही है कि यहां सरकार से सवाल पूछे जा सकते हैं, नीतियों का विरोध किया जा सकता है और अपने अधिकारों के लिए आवाज बुलंद की जा सकती है। असहमति लोकतंत्र की कमजोरी नहीं, उसकी जीवंतता का प्रमाण है। मगर अधिकारों के साथ जिम्मेदारियां भी जुड़ी होती हैं। जब किसी आंदोलन का उद्देश्य पीछे छूटने लगता है, भाषा में कटुता बढ़ती है और विरोध हिंसा या अराजकता की ओर मुड़ जाता है, तब उसका नैतिक आधार कमजोर होने लगता है। ऐसे में जरूरी है कि आंदोलनकारी अपने उद्देश्य और कार्यप्रणाली की समीक्षा करें। विपक्ष लोकतंत्र का महत्वपूर्ण स्तंभ है। उसका दायित्व सरकार की गलतियों को उजागर करना, जनहित के मुद्दों को उठाना और बेहतर विकल्प प्रस्तुत करना है। लेकिन यदि राजनीति का केंद्र केवल विरोध बन जाए, तो जनता की वास्तविक समस्याएं पीछे छूट सकती हैं। हर सरकारी निर्णय को साजिश बताना और प्रत्येक समस्या को राजनीतिक संघर्ष का हथियार बना देना समाधान की राह को कठिन बनाता है। इसी प्रकार सरकार भी आलोचना को विरोधी मानसिकता समझकर खारिज नहीं कर सकती। लोकतंत्र में सत्ता और विपक्ष, दोनों की जवाबदेही जनता के प्रति है। दिल्ली में विरोध प्रदर्शनों और सार्वजनिक व्यवस्था को लेकर उठे सवालों ने एक बार फिर यह स्पष्ट किया है कि नागरिक अधिकारों तथा कानून–व्यवस्था के बीच संतुलन कितना आवश्यक है। शांतिपूर्ण प्रदर्शन नागरिकों का लोकतांत्रिक अधिकार है, जबकि आम लोगों की सुरक्षा और सार्वजनिक सुविधाओं को बनाए रखना प्रशासन की जिम्मेदारी है। न सरकार को कानून–व्यवस्था के नाम पर असहमति दबाने का अधिकार मिलना चाहिए, न आंदोलनकारियों को विरोध के नाम पर आम नागरिकों की आवाजाही और दैनिक जीवन बाधित करने की खुली छूट होनी चाहिए। संवैधानिक मर्यादा दोनों पक्षों के लिए समान रूप से महत्वपूर्ण है। किसी आंदोलन में हजारों लोगों का जुटना उसकी लोकप्रियता का संकेत हो सकता है, लेकिन इससे उसके उद्देश्य की प्रामाणिकता अपने आप साबित नहीं होती। जनसमर्थन क्षणिक आक्रोश से भी पैदा हो सकता है, जबकि जनविश्वास अर्जित करने के लिए ईमानदारी, निरंतरता और रचनात्मक प्रयास जरूरी हैं। आंदोलन का मुद्दा स्पष्ट होना चाहिए, उसके समर्थन में तथ्य होने चाहिए और उसके पास समाधान की ठोस दिशा भी होनी चाहिए।

भारतीय लोकतंत्र का इतिहास बताता है कि जब जनाक्रोश को स्पष्ट उद्देश्य और नेतृत्व मिलता है, तब वह व्यापक परिवर्तन की प्रेरणा बन सकता है। वर्ष 1974 का छात्र आंदोलन इसका महत्वपूर्ण उदाहरण है। भ्रष्टाचार, महंगाई और शासन संबंधी समस्याओं से परेशान छात्रों की आवाज को लोकनायक जयप्रकाश नारायण ने व्यापक सामाजिक–राजनीतिक सुधारों की दिशा देने का प्रयास किया। इस अनुभव से सीख मिलती है कि आंदोलन की असली शक्ति केवल विरोध में नहीं, बल्कि जनता की समस्याओं को परिवर्तन के एजेंडे में बदलने में है। आज इंटरनेट मीडिया ने आंदोलन खड़ा करने और जनमत तैयार करने की गति बढ़ा दी है। किसी घटना का वीडियो कुछ ही मिनटों में लाखों लोगों तक पहुंच जाता है। इससे आम नागरिकों को अपनी बात रखने और प्रशासन से जवाब मांगने का अवसर मिला है। लेकिन इसी माध्यम से अधूरी जानकारी, भ्रामक दावे और अपुष्ट आरोप भी तेजी से फैलते हैं। वायरल होना किसी आरोप के सच होने का प्रमाण नहीं है और हैशटैग की लोकप्रियता आंदोलन की विश्वसनीयता की गारंटी नहीं देती।

इसलिए आंदोलनकारियों को तथ्यों की पुष्टि के बाद ही आरोप लगाने चाहिए। प्रशासन को भी पारदर्शिता के साथ सवालों के जवाब देने और शिकायतों की निष्पक्ष जांच कराने की व्यवस्था करनी चाहिए। संवाद और प्रमाण आधारित कार्रवाई ही अविश्वास को कम कर सकती है। आज युवाओं की ऊर्जा देश की सबसे बड़ी ताकत है।

इस ऊर्जा को केवल नारों और विरोध प्रदर्शनों तक सीमित रखना उचित नहीं होगा। भ्रष्टाचार के विरुद्ध आंदोलन हो तो पारदर्शिता बढ़ाने के उपाय भी सुझाए जाएं। चुनाव सुधारों की मांग हो तो तथ्यपरक प्रस्ताव सामने आएं। प्रशासनिक अन्याय के विरुद्ध आवाज उठे तो कानूनी और संस्थागत रास्तों को मजबूत किया जाए। जब विरोध के साथ समाधान की रूपरेखा जुड़ती है, तभी वह समाज के लिए उपयोगी बनता है। इसी तरह विदेशी हस्तक्षेप या भ्रामक प्रचार जैसे संवेदनशील विषयों पर भी प्रमाणों के आधार पर चर्चा होनी चाहिए। सरकार की आलोचना करने मात्र से किसी आंदोलन को राष्ट्रविरोधी नहीं कहा जा सकता। राष्ट्रीय हितों की रक्षा जरूरी है, लेकिन उसके नाम पर नागरिकों की वैध असहमति को संदेह के घेरे में रखना भी उचित नहीं है। राष्ट्र की मजबूती नागरिकों के भरोसे, निष्पक्ष संस्थाओं और न्यायपूर्ण व्यवस्था से आती है।

अंततः आंदोलन की सार्थकता इस बात में है कि वह समाज को जोड़ता है या बांटता है, समाधान की राह खोलता है या टकराव बढ़ाता है। प्रत्येक आंदोलन को स्वयं से पूछना चाहिए कि उसका मुद्दा कितना तथ्यपरक है, उसकी पद्धति कितनी लोकतांत्रिक है और उसके प्रयासों से जनता को क्या लाभ मिलेगा। सही मुद्दे के साथ सही नेतृत्व, संयमित भाषा और स्पष्ट लक्ष्य भी आवश्यक हैं।

लोकतंत्र को न अंधसमर्थन की जरूरत है, न अंधविरोध की। उसे ऐसी जागरूक जनता चाहिए जो सवाल पूछे, ऐसी सरकार चाहिए जो जवाब दे और ऐसा विपक्ष चाहिए जो आलोचना के साथ विकल्प भी प्रस्तुत करे। आंदोलन वही सार्थक है, जो असंतोष को विश्वास, विरोध को समाधान और जनशक्ति को रचनात्मक बदलाव में बदल सके। यही लोकतंत्र की असली ताकत और राष्ट्रहित की सच्ची दिशा है।

तीन खिलाड़ियों की फिटनेस ने रोका टीम इंडिया का चयन

न्यूजीलैंड दौरे के लिए वनडे और टेस्ट टीम का इंतजार

प्रसिद्ध कृष्णा, हर्षित राणा और ऋषभ पंत की फिटनेस पर नजर

यूनिक समय, नई दिल्ली। न्यूजीलैंड दौरे के लिए भारतीय क्रिकेट टीम की वनडे और टेस्ट टीम के चयन में तीन खिलाड़ियों की फिटनेस के कारण देरी हो रही है। तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा, हर्षित राणा और विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की फिटनेस रिपोर्ट का चयनकर्ता इंतजार कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, चयन समिति इन खिलाड़ियों की स्थिति स्पष्ट होने तक टीम की घोषणा करने में आखिरी समय तक इंतजार कर सकती है। भारतीय टीम को न्यूजीलैंड दौरे पर सीमित ओवरों और टेस्ट क्रिकेट की सीरीज खेलनी है। वनडे सीरीज 4 नवंबर से शुरू होगी, जबकि दो टेस्ट मैचों की सीरीज का आगाज 19 नवंबर से होगा। भारतीय टीम को 28 अक्टूबर को न्यूजीलैंड के लिए रवाना होना है। इससे पहले 22 अक्टूबर से शुरू होने वाली टी–20 सीरीज के लिए भारतीय टीम का ऐलान किया जा चुका है। रिपोर्ट के मुताबिक, बीसीसीआई का सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) चोट से उबर रहे खिलाड़ियों को फिटनेस मंजूरी देने में सावधानी बरत रहा है। बोर्ड किसी भी खिलाड़ी को जल्दबाजी में मैदान पर उतारकर जोखिम नहीं लेना चाहता। सूत्रों के अनुसार, प्रसिद्ध कृष्णा और ऋषभ पंत की चोट पहली नजर में गंभीर नहीं लग रही है, लेकिन उनकी पूरी तरह फिटनेस सुनिश्चित होने के बाद ही अंतिम फैसला लिया जाएगा। दोनों खिलाड़ियों को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में पहुंचने के बाद तीन–तीन सप्ताह का समय दिया गया था। चयनकर्ता और टीम मैनेजमेंट हर्षित राणा को वनडे और टेस्ट दोनों टीमों में शामिल करना चाहते हैं। उन्हें आठवें नंबर पर बल्लेबाजी करने वाले तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर के विकल्प के रूप में देखा जा रहा है। वहीं, प्रसिद्ध कृष्णा को दोनों फॉर्मेट के गेंदबाजी आक्रमण का अहम हिस्सा माना जा रहा है। टेस्ट सीरीज में ऋषभ पंत की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो सकती है। प्रसिद्ध कृष्णा 30 सितंबर को गुवाहाटी में वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे वनडे के दौरान चोटिल हो गए थे। वहीं, ऋषभ पंत को ईरानी कप मैच के दौरान साइड स्ट्रेन हुआ था। इसी कारण वह 24 अक्टूबर से शुरू होने वाले इंडिया–ए के पहले दो चार दिवसीय मुकाबलों से बाहर रहेंगे। हर्षित राणा भी चोट से उबर रहे हैं। अब तीनों खिलाड़ियों की फिटनेस रिपोर्ट तय करेगी कि उन्हें न्यूजीलैंड दौरे की टीम में जगह मिलती है या नहीं।

'जेलर–2' में होगा बड़ा सरप्राइज ब्योर्न के संकेत ने बढ़ाई उत्सुकता

15 अक्टूबर को रिलीज होगी रजनीकांत की फिल्म

एडवांस बुकिंग 50 करोड़ रुपये पार करने का दावा

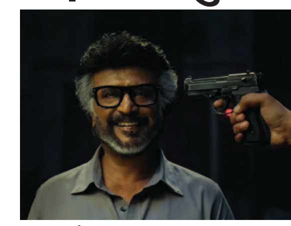

यूनिक समय, नई दिल्ली। सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म 'जेलर-2' 15 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच जबरदस्त उत्साह है। इस बीच फिल्म में नजर आने वाले अभिनेता ब्योर्न ने सोशल मीडिया पर एक खास संकेत देकर फैंस की उत्सुकता और बढ़ा दी है। उन्होंने फिल्म में होने वाले एक खास पल को 'साइलेंट संवरम' बताया है, लेकिन इसके बारे में कोई खुलासा नहीं किया। ब्योर्न ने अपनी पोस्ट में लिखा कि उन्हें कुछ ऐसा पता है, जो दर्शकों को नहीं पता, और 15 अक्टूबर को सभी को इसका पता चल जाएगा। उन्होंने 'जेलर 2' का हिस्सा बनने पर खुशी जताते हुए दर्शकों से फिल्म को बड़े पर्दे पर देखने की अपील भी की। उनके इस बयान के बाद फैंस फिल्म में किसी बड़े सरप्राइज, खास सीन या यादगार पल की संभावना जता रहे हैं। फिल्म की एडवांस बुकिंग को लेकर भी अच्छी खबरें सामने आ रही हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक,आंकड़ों में दुनियाभर की एडवांस बुकिंग 50 करोड़ रुपये पार करने का दावा किया गया है। इससे फिल्म की ओपनिंग को लेकर उम्मीदें बढ़ गई हैं। हालांकि, 100 करोड़ रुपये की ओपनिंग और 1,000 करोड़ रुपये की कमाई की चर्चाएं फिलहाल अनुमान हैं। नेल्सन दिलीपकुमार के निर्देशन में बनी इस फिल्म में रजनीकांत के साथ राम्या कृष्णन, मोहनलाल, शिवराजकुमार, विजय सेतुपति, विद्या बालन और एसजे सूर्या जैसे कलाकार नजर आएंगे। संगीत अनिरुद्ध रविचंदर ने दिया है।

इमरान हाशमी की फिल्म के सेट पर पलटी एसयूवी

'गनमास्टर जी9' की शूटिंग का वीडियो वायरल

कार स्टंट के दौरान वैन से टकराई गाड़ी, हादसे की वजह स्पष्ट नही

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता इमरान हाशमी की अपकमिंग फिल्म 'गनमास्टर जी9' के सेट से एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें स्टंट के दौरान एक एसयूवी हवा में पलटकर नीचे खड़ी वैन से टकराती दिखाई दे रही है। यह वीडियो बेंगलुरु में फिल्म के क्लाइमैक्स सीन की शूटिंग का बताया जा रहा है। हालांकि, फिल्म निर्माताओं ने अब तक यह स्पष्ट नहीं किया है कि घटना स्क्रिप्ट के मुताबिक शूट किया गया स्टंट था या किसी तकनीकी खराबी के कारण हादसा हुआ। फिलहाल, घटना में किसी के घायल होने की खबर सामने नहीं आई है। वीडियो में सड़क पर शूटिंग की तैयारी दिखाई देती है। एक एसयूवी को क्रेन की मदद से हवा में लटकाया गया है। काउंटडाउन खत्म होते ही गाड़ी अचानक हवा में पलटती है और नीचे खड़ी काली वैन की छत से टकरा जाती है। इसके बाद सेट पर मौजूद क्रूमेंबर्स और अन्य लोग गाड़ी की तरफ दौड़ते दिखाई देते हैं। सोशल मीडिया पर दावा किया जा रहा है कि हादसे के समय इमरान हाशमी भी वहां मौजूद थे और गाड़ी उनके बेहद करीब गिरी। हालांकि, वीडियो में अभिनेता की मौजूदगी की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। फिल्म का निर्देशन आदित्य दत्त कर रहे हैं। इसकी कहानी सरीम मोमिन और जुनैद वासी ने लिखी है। फिल्म में इमरान हाशमी और हिमेश रेशमिया एक बार फिर साथ काम कर रहे हैं। इससे पहले जून 2026 में हरिद्वार में फिल्म की शूटिंग के दौरान सेट पर लगाए गए बार के बोर्ड को लेकर विवाद हुआ था। विरोध के बाद मेकर्स को बोर्ड से 'बार' शब्द हटाना पड़ा था।

आलिया की परफॉर्मेंस पर झूमे विजय वर्मा, वीडियो वायरल

सीटियां बजाकर बढ़ाया हौसला, फोन में रिकॉर्ड किया गाना

डेटिंग की चर्चाओं के बीच अभिनेता का अंदाज चर्चा में

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता विजय वर्मा इन दिनों अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। उनका नाम सिंगर और अभिनेत्री आलिया कुरैशी के साथ जोड़ा जा रहा है। दोनों के डेटिंग की चर्चाओं के बीच आलिया के एल्बम लॉन्च पार्टी से सामने आए वीडियो ने लोगों का ध्यान खींचा है। वीडियो में विजय आलिया की परफॉर्मेंस का आनंद लेते, सीटियां बजाते और तालियां बजाकर उनका हौसला बढ़ाते नजर आ रहे हैं। अभिनेता ने अपने फोन से आलिया की परफॉर्मेंस रिकॉर्ड भी की। उनका यह अंदाज सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया है। दरअसल, मुंबई में आलिया कुरैशी के एल्बम 'झल्ली' के लॉन्च के मौके पर एक खास पार्टी आयोजित की गई थी। इस कार्यक्रम में विजय वर्मा भी पहुंचे थे। एक अन्य वीडियो में अभिनेता मुस्कुराते हुए आलिया की आवाज सुनते नजर आते हैं। इन झलकियों के सामने आने के बाद दोनों के रिश्ते को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। हालांकि, विजय और आलिया ने अब तक अपने रिश्ते की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। आलिया कुरैशी ने शाहरुख खान की फिल्म 'जवान' से अभिनय की दुनिया में पहचान बनाई थी। वह 'नादानियां' में भी नजर आ चुकी हैं। इसके अलावा उन्होंने 'बंदिश बैंडिट्स' और 'एटरनली कन्फ्यूज्ड एंड ईगर फॉर लव' जैसे प्रोजेक्ट्स में काम किया है। फिलहाल, आलिया की परफॉर्मेंस पर विजय का उत्साह सोशल मीडिया यूजर्स का ध्यान खींच रहा है।

अभिषेक तोड़ेंगे सूर्या का रिकॉर्ड

2026 में 9 बार बना चुके हैं 50प्लस स्कोर

सूर्या का रिकॉर्ड तोड़ने के लिए चाहिए तीन अर्धशतक

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय टीम के विस्फोटक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा इन दिनों शानदार फॉर्म में हैं। टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में लगातार रन बनाने वाले अभिषेक अब सूर्यकुमार यादव के एक बड़े रिकॉर्ड को तोड़ने के करीब पहुंच गए हैं। उनके पास एक कैलेंडर ईयर में सबसे ज्यादा बार 50 या उससे अधिक रन बनाने वाला भारतीय बल्लेबाज बनने का मौका है। भारत और वेस्टइंडीज के बीच पांच मैचों की टी20आई सीरीज में भारतीय टीम फिलहाल 2–1 से आगे है। सीरीज का चौथा मुकाबला हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाना है। इस मैच में अर्धशतक लगाकर अभिषेक अपने रिकॉर्ड की ओर एक और कदम बढ़ा सकते हैं। टी20 इंटरनेशनल में एक कैलेंडर ईयर के दौरान सबसे ज्यादा बार 50 प्लस स्कोर बनाने का भारतीय रिकॉर्ड फिलहाल सूर्यकुमार यादव के नाम है। उन्होंने 2022 में 11 बार यह उपलब्धि हासिल की थी। वहीं, अभिषेक शर्मा 2026 में अब तक 9 बार 50 या उससे ज्यादा रन बना चुके हैं। विराट कोहली ने भी 2022 में 9 बार 50 प्लस स्कोर बनाया था। सूर्या को पीछे छोड़ने के लिए अभिषेक को तीन और अर्धशतकीय पारियां खेलनी होंगी। न्यूजीलैंड दौरे पर भी उन्हें रिकॉर्ड बनाने के मौके मिल सकते हैं। इसके अलावा, अभिषेक ने 2026 में टी20आई क्रिकेट में 68 छक्के लगाए हैं। वह सूर्यकुमार के रिकॉर्ड की बराबरी कर चुके हैं और चौथे टी20आई में एक छक्का लगाते ही भारतीय रिकॉर्ड अपने नाम कर सकते हैं।

श्रीलंका ने पाकिस्तान को 8 विकेट से हराया, क्लीन स्वीप से बची टीम

कुसल मेंडिस ने नाबाद 87 रन बनाए

दासुन शनाका ने झटके 3 विकेट, पाकिस्तान ने 3 मैचों की सीरीज 2–1 से जीती

यूनिक समय, नई दिल्ली। श्रीलंका ने तीसरे टी–20 मुकाबले में पाकिस्तान को 8 विकेट से हराकर उसे क्लीन स्वीप करने से रोक दिया। रावलपिंडी में मंगलवार को खेले गए मैच में श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पाकिस्तान ने निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 168 रन बनाए। जवाब में श्रीलंका ने 17.1 ओवर में 2 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। हालांकि, पाकिस्तान ने शुरुआती दोनों मुकाबले जीतकर तीन मैचों की सीरीज 2–1 से अपने नाम की। शानदार बल्लेबाजी के लिए श्रीलंकाई कप्तान कुसल मेंडिस को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया, जबकि पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट बने। पाकिस्तान की ओर से साहिबजादा फरहान ने 47 गेंदों पर 76 रन की शानदार पारी खेली। मलिंगा ने पारी के शुरुआती ओवर में फखर जमां को 12 रन पर आउट किया और इसके बाद माज सदाकत को बिना खाता खोले पवेलियन भेज दिया। 169 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका को सिनेत जयवर्धने ने 38 रन बनाकर तेज शुरुआत दिलाई। लाहिरू उदारा के आउट होने के बाद कुसल मेंडिस ने कामिंदु मेंडिस के साथ पारी संभाली। दोनों ने 55 गेंदों पर नाबाद 98 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी की। कुसल मेंडिस ने 48 गेंदों पर नाबाद 87 रन बनाए, जिसमें नौ चौके और चार छक्के शामिल रहे। वहीं, कामिंदु मेंडिस 27 गेंदों पर नाबाद 40 रन बनाकर लौटे।

जोश हेजलवुड ने ब्रेट ली को पछाड़ा, अब मिचेल जॉनसन निशाने पर

डरबन टेस्ट में 6 विकेट लेकर ऑस्ट्रेलिया को दिलाई बड़ी जीत

टेस्ट क्रिकेट में विकेटों के मामले में हासिल किया आठवां स्थान

यूनिक समय, नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ डरबन टेस्ट में शानदार गेंदबाजी करते हुए नया मुकाम हासिल कर लिया है। उन्होंने अपनी धारदार गेंदबाजी के दम पर ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज तेज गेंदबाज ब्रेट ली को पीछे छोड़ दिया। अब हेजलवुड की नजर मिचेल जॉनसन के रिकॉर्ड पर है। मेजबान टीम को जीत के लिए 421 रनों का लक्ष्य मिला था, लेकिन दूसरी पारी में पूरी टीम महज 206 रन पर सिमट गई। इस हार में हेजलवुड की गेंदबाजी की अहम भूमिका रही। उन्होंने पहली पारी में दो विकेट हासिल किए, जबकि दूसरी पारी में छह बल्लेबाजों को पवेलियन भेजकर दक्षिण अफ्रीका की कमर तोड़ दी। दूसरी पारी में उन्होंने 16.5 ओवर गेंदबाजी की और सिर्फ 49 रन खर्च किए। इस प्रदर्शन के साथ हेजलवुड के टेस्ट क्रिकेट में कुल विकेटों की संख्या 311 हो गई है। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए 76 टेस्ट मैचों में 310 विकेट लेने वाले ब्रेट ली को पीछे छोड़ दिया। हेजलवुड अब तक 79 टेस्ट मुकाबलों में 311 विकेट हासिल कर चुके हैं। इस उपलब्धि के बाद वह ऑस्ट्रेलिया के लिए टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में आठवें स्थान पर पहुंच गए हैं। अब उनके निशाने पर मिचेल जॉनसन हैं, जिन्होंने 73 टेस्ट मैचों में 313 विकेट लिए थे। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज के अगले दो टेस्ट मैचों में हेजलवुड यदि तीन विकेट हासिल कर लेते हैं, तो वह जॉनसन को पीछे छोड़कर सूची में सातवें स्थान पर पहुंच जाएंगे। ऑस्ट्रेलिया के लिए टेस्ट क्रिकेट में शेन वॉर्न 708 विकेट के साथ शीर्ष पर हैं, जबकि नाथन लियोन 573 और ग्लेन मैक्ग्रा 563 विकेट लेकर उनके बाद आते हैं। हेजलवुड का यह प्रदर्शन ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजी में उनकी अहमियत को एक बार फिर साबित करता है।

यूपी भर्ती घोटाले में रिटायर्ड आईएएस योगेश कुमार गिरफ्तार

पशुपालन विभाग में 1,198 पदों पर भर्ती में अनियमितताओं का आरोप

जांच एजेंसी को पूर्व प्रधान सचिव की भूमिका से जुड़े सबूत मिले

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पशुपालन विभाग में भर्ती से जुड़े कथित घोटाले के मामले में आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने रिटायर्ड आईएएस अधिकारी योगेश कुमार को गिरफ्तार किया है। उन्हें लखनऊ के गोमती नगर से पकड़ा गया। ईओडब्ल्यू के महानिदेशक जेएन सिंह के मुताबिक, जांच के दौरान भर्ती प्रक्रिया में हुई कथित गड़बड़ियों से योगेश कुमार के जुड़े होने के सबूत मिले हैं। भर्ती के समय वह पशुपालन विभाग में प्रधान सचिव के पद पर तैनात थे। यह मामला वर्ष 2014 में उत्तर प्रदेश के 17 मंडलों में पशुधन प्रसार अधिकारियों के 1,198 पदों पर हुई भर्ती से संबंधित है। परीक्षा 2 फरवरी 2014 को आयोजित की गई थी। यह भर्ती प्रक्रिया समाजवादी पार्टी की सरकार के कार्यकाल में शुरू हुई थी। चयन प्रक्रिया के दौरान बड़े पैमाने पर अनियमितताओं के आरोप लगे थे, जिनकी जांच अब ईओडब्ल्यू कर रही है। जांच एजेंसी के मुताबिक, भर्ती प्रक्रिया में निर्धारित नियमों की कथित तौर पर अनदेखी की गई। ओएमआर उत्तर पुस्तिकाओं की जांच एक ही स्थान पर कराई गई थी। जांचकर्ताओं को आशंका है कि इस व्यवस्था के जरिए अंकों में हेरफेर की संभावना रही होगी। इसके अलावा, जिला और मंडल स्तर पर चयन के लिए जिम्मेदार समितियों के अधिकार वापस लिए जाने की बात भी जांच में सामने आई है। एजेंसी इन पहलुओं के आधार पर भर्ती में हुई कथित अनियमितताओं की पड़ताल कर रही है। भर्ती के समय राज किशोर सिंह उत्तर प्रदेश के पशुपालन मंत्री थे। उनके खिलाफ संभावित कानूनी कार्रवाई के लिए अभियोजन स्वीकृति से संबंधित फाइल फिलहाल शासन में लंबित बताई गई है। राज किशोर सिंह को वर्ष 2016 में मंत्री पद से हटा दिया गया था और वह 2024 में भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए थे। योगेश कुमार की गिरफ्तारी इस मामले की जांच में अहम कदम मानी जा रही है। हालांकि, आरोपों की अंतिम पुष्टि न्यायिक प्रक्रिया के बाद ही होगी। जांच एजेंसी मामले में भर्ती प्रक्रिया से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच कर रही है।

शिवा हत्याकांड में फरार मॉडल श्रद्धा की चैट आई सामने, लिखा-तुम्हारे साथ बुरा ही होगा

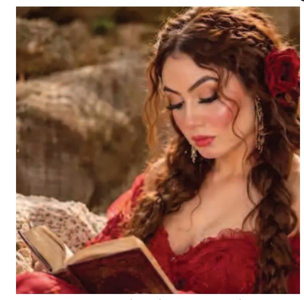

पुलिस को नेपाल में मिली लोकेशन

ब्लैकमेलिंग के बाद नंबर बदलने का दावा

यूनिक समय, लखनऊ। लखनऊ में कारोबारी शिवा शर्मा की मौत के मामले में फरार मॉडल श्रद्धा दुबे की तलाश तेज हो गई है। घटना के पांच दिन बाद शिवा और श्रद्धा की कथित चैट सामने आई है, जिसमें श्रद्धा ने शिवा से कहा था कि उसके साथ बुरा ही होगा। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, श्रद्धा की लोकेशन नेपाल में मिलने के बाद एक टीम वहां भेजी गई है। श्रद्धा, उसकी बहन रश्मि दुबे और ड्राइवर तनवीर अली उर्फ दानिश पर 25-25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया है। सामने आई स्नैपचैट चैट में श्रद्धा शिवा से नाराजगी जताते हुए कहती है कि उसने उसका इस्तेमाल किया और व्यवहार बदल लिया। वह उसे दिल से बद्दुआ देने और बुरा होने की बात कहती है। शिवा जवाब में कहता है कि उसके व्यवहार या प्यार में कमी नहीं आई है और वह कुछ परेशानियों से गुजर रहा है। जांच में यह भी सामने आया है कि श्रद्धा कथित तौर पर ब्लैकमेलिंग का लक्ष्य पूरा करने के बाद मोबाइल नंबर बदल लेती थी। शिवा की मां रंजना शर्मा ने आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की है। उनके मुताबिक, शिवा 9 अक्टूबर को हजरतगंज स्थित अवध ग्रीन अपार्टमेंट की चौथी मंजिल से गिर गया था। परिवार ने श्रद्धा समेत पांच लोगों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कराया है। आरोप है कि शिवा को धक्का दिया गया था। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आरोपियों की तलाश जारी है।

मुस्कान-साहिल को फांसी, सजा सुनते ही कोर्ट में रोने लगे दोनों

सौरभ राजपूत हत्याकांड में अदालत का बड़ा फैसला

सजा सुनाते समय महाभारत का जिक्र कर कोर्ट ने कहा अपराधियों को दंड देना भी धर्म है

यूनिक समय, मेरठ। उत्तर प्रदेश के मेरठ के चर्चित नीले ड्रम हत्याकांड में जिला अदालत ने दोषी मुस्कान रस्तोगी और साहिल शुक्ला को फांसी की सजा सुनाई है। अदालत का फैसला सुनते ही दोनों दोषी रोने लगे। इस मामले ने देशभर में सुर्खियां बटोरी थीं। फैसले के बाद सौरभ राजपूत के परिजनों ने संतोष जताते हुए कहा कि उन्हें न्याय मिला है। अदालत ने सजा सुनाते समय महाभारत का भी उल्लेख किया। कोर्ट ने कहा कि अपराधियों को दंड देना भी धर्म है। इस टिप्पणी के साथ अदालत ने मामले की गंभीरता को रेखांकित किया और दोनों दोषियों को मृत्युदंड सुनाया। यह मामला मर्चेंट नेवी के पूर्व कर्मचारी सौरभ राजपूत की हत्या से जुड़ा है। आरोपों के मुताबिक, हत्या के बाद सौरभ के शव के टुकड़े किए गए और उन्हें नीले ड्रम में रखकर सीमेंट से ढक दिया गया था। घटना सामने आने के बाद पुलिस ने जांच शुरू की और मुस्कान तथा साहिल को गिरफ्तार किया। सुनवाई के दौरान पेश किए गए साक्ष्यों के आधार पर अदालत ने दोनों को दोषी करार दिया। फैसले के बाद सौरभ के परिवार ने राहत जताई। परिजनों के मुताबिक, वे लंबे समय से न्याय की प्रतीक्षा कर रहे थे और अदालत के निर्णय से उन्हें संतोष मिला है। यह मामला अपनी क्रूरता और जांच के दौरान सामने आए तथ्यों के कारण लगातार चर्चा में रहा। हालांकि, मृत्युदंड के मामले में आगे की कानूनी प्रक्रिया भी महत्वपूर्ण होगी।

प्रयागराज पुलिस लाइन में सिपाही ने खुद को गोली मारी, इलाज के दौरान मौत

मथुरा के रहने वाले आकाश कुमार की लगी थी वीआईपी ड्यूटी

सरकारी कार्बाइन कब्जे में लेकर पुलिस ने शुरू की जांच

यूनिक समय, प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज स्थित पुलिस लाइन में बुधवार शाम एक सिपाही ने सरकारी कार्बाइन से खुद को गोली मार ली। गंभीर रूप से घायल सिपाही को अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना के बाद पुलिस लाइन में हड़कंप मच गया। पुलिस अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल की। फिलहाल आत्महत्या की वजह स्पष्ट नहीं हो पाई है। मृतक सिपाही की पहचान 29 वर्षीय आकाश कुमार के रूप में हुई है। वह मूल रूप से मथुरा जिले के अतरौनी का रहने वाला था और उसकी वीआईपी ड्यूटी लगाई गई थी। जानकारी के मुताबिक, बुधवार शाम करीब 6:30 बजे उसने अपनी सरकारी कार्बाइन से सिर में गोली मार ली। गोली चलने की आवाज सुनकर आसपास मौजूद पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे। उस समय आकाश खून से लथपथ पड़ा था। उसे तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस अधिकारियों ने आवश्यक कार्रवाई शुरू की। मृतक के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस ने घटना में इस्तेमाल की गई सरकारी कार्बाइन को भी कब्जे में ले लिया है। आकाश के परिजनों को घटना की जानकारी दे दी गई है। एसपी सिटी दिनेश कुमार सिंह के अनुसार, आकाश कुमार 2019 बैच का सिपाही था। वह पहले घूरपुर और उतरांव थानों में तैनात रह चुका था। कुछ दिन पहले ही उसकी पोस्टिंग पुलिस लाइन में हुई थी। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है और आत्महत्या के पीछे की वजह जानने का प्रयास किया जा रहा है। जांच पूरी होने के बाद ही घटना से जुड़े अन्य तथ्य स्पष्ट हो सकेंगे।

पिता की डांट से आहत ई-रिक्शा चालक की मौत, पेड़ से लटका मिला शव

बलिया में 21 वर्षीय अभिषेक का शव मिलने से इलाके में सनसनी

पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा

यूनिक समय, बलिया। उत्तर प्रदेश के बलिया जिले में 21 वर्षीय ई-रिक्शा चालक अभिषेक कुमार का शव बुधवार सुबह पेड़ से लटका मिला। पुलिस को आशंका है कि पिता की डांट से आहत होकर युवक ने आत्महत्या की। हालांकि, घटना के वास्तविक कारणों का पता जांच पूरी होने के बाद ही चल सकेगा। पुलिस के मुताबिक, अभिषेक का शव गड़वार थाना क्षेत्र में मिला। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को नीचे उतरवाकर अपने कब्जे में लिया। इसके बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया। मामले में आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। थाना प्रभारी हितेश कुमार ने बताया कि अभिषेक के पिता ने दो दिन पहले उसे परिवार के सदस्यों की सलाह नहीं मानने को लेकर डांटा था। प्रारंभिक जानकारी के आधार पर पुलिस को आशंका है कि इस बात से परेशान होकर युवक ने यह कदम उठाया होगा। पुलिस परिवार के सदस्यों से जानकारी जुटा रही है और मामले की जांच कर रही है। इस घटना ने परिवार और स्थानीय लोगों को झकझोर दिया है। फिलहाल, पुलिस आत्महत्या के पीछे की परिस्थितियों का पता लगाने में जुटी है। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अमेठी में खुद चुनाव नहीं लड़ सकते स्मृति ईरानी का राहुल गांधी पर हमला

भाजपा नेता ने अमेठी में सपा और कांग्रेस पर साधा निशाना

राहुल गांधी की राजनीति पर उठाए सवाल

यूनिक समय, लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी की नेता स्मृति ईरानी ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए तीखा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति अमेठी में अपने दम पर चुनाव तक नहीं लड़ सकता, वह शहंशाह बनने चला है। स्मृति ईरानी ने यह टिप्पणी उत्तर प्रदेश के अमेठी में समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर हमला बोलते हुए की। स्मृति ईरानी ने राहुल गांधी की राजनीति पर सवाल उठाते हुए विपक्षी दलों को भी घेरा। उनका बयान ऐसे समय आया है, जब उत्तर प्रदेश में राजनीतिक दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। भाजपा नेता ने सपा और कांग्रेस की राजनीतिक रणनीति पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्ष को जनता के बीच अपनी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। स्मृति ईरानी इससे पहले भी अमेठी को लेकर राहुल गांधी पर हमलावर रही हैं। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में उन्होंने अमेठी सीट से राहुल गांधी को हराया था। हालांकि, 2024 के लोकसभा चुनाव में उन्हें कांग्रेस के किशोरी लाल शर्मा के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। उनके ताजा बयान से उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक बार फिर अमेठी और राहुल गांधी को लेकर सियासी चर्चा तेज हो गई है।

योगी के 'साइलेंट वोट बैंक' की काट खोज रही सपा-कांग्रेस

महिला मतदाताओं को साधने की तैयारी में विपक्षी दल

सरकारी योजनाओं और राजनीतिक रणनीतियों के बीच वोटिंग पैटर्न बदलने की चुनौती

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजनीति में महिला मतदाता एक बार फिर चर्चा के केंद्र में हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली भाजपा महिला वोटरों को अपनी बड़ी ताकत मानती है। वहीं, समाजवादी पार्टी और कांग्रेस इस समर्थन में सेंध लगाने की रणनीति तलाश रही हैं। सवाल यह है कि क्या विपक्ष महिला मतदाताओं को अपने पक्ष में लाकर प्रदेश में चुनावी समीकरण बदल पाएगा या भाजपा का 'साइलेंट वोट बैंक' मजबूत बना रहेगा? राजनीतिक विश्लेषण में महिला मतदाताओं को ऐसा वर्ग माना जाता है, जिसका रुझान कई बार चुनावी नतीजों पर निर्णायक असर डाल सकता है। भाजपा सरकार की ओर से महिलाओं की सुरक्षा, कल्याणकारी योजनाओं और सरकारी सहायता से जुड़े मुद्दे उसके प्रचार का अहम हिस्सा रहे हैं। पार्टी को उम्मीद है कि इन योजनाओं का लाभ पाने वाली महिलाएं चुनाव में उसका समर्थन जारी रखेंगी। इसी आधार पर महिला वोटरों को भाजपा का महत्वपूर्ण समर्थन समूह माना जाता है। दूसरी ओर, समाजवादी पार्टी और कांग्रेस महिला मतदाताओं के बीच अपनी स्वीकार्यता बढ़ाने की कोशिश कर रही हैं। विपक्ष के सामने चुनौती केवल सरकार की योजनाओं पर सवाल उठाने की नहीं, बल्कि महिलाओं से जुड़े मुद्दों पर भरोसेमंद विकल्प पेश करने की भी है। रोजगार, महंगाई, सुरक्षा, शिक्षा और आर्थिक आत्मनिर्भरता जैसे मुद्दे इस राजनीतिक मुकाबले में अहम हो सकते हैं। समाजवादी पार्टी अपने सामाजिक समीकरणों के साथ महिला मतदाताओं तक पहुंच बनाने की कोशिश कर सकती है, जबकि कांग्रेस महिलाओं के लिए कल्याणकारी वादों और राजनीतिक भागीदारी को प्रमुखता दे सकती है।

दिल्ली के रेस्टोरेंट में आग, खिड़की से कूदकर बचाई जान

किचन में आग लगते ही मची अफरा-तफरी

सभी सुरक्षित, आग के कारणों की जांच जारी

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली के मौजपुर इलाके में मंगलवार रात एक रेस्टोरेंट के किचन में आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग लगते ही रेस्टोरेंट में मौजूद लोग अपनी जान बचाने के लिए पहली मंजिल की खिड़की से नीचे कूदने लगे। इस दौरान कुछ लोगों ने बच्चों को भी खिड़की से नीचे उतारकर सुरक्षित बचाया। घटना का वीडियो सामने आया है, जिसमें लोग बच्चों को नीचे मौजूद लोगों की ओर फेंकते हुए दिखाई दे रहे हैं। पुलिस के मुताबिक, इस घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। आग लगने के बाद रेस्टोरेंट में मौजूद लोगों ने बाहर निकलने की कोशिश की। स्थिति ऐसी हो गई कि कुछ लोगों को सीढ़ियों के बजाय खिड़की से नीचे उतरकर अपनी जान बचानी पड़ी। नीचे खड़े लोग बच्चों और अन्य लोगों को सुरक्षित उतारने में मदद करते दिखाई दिए। जानकारी के अनुसार, मंगलवार रात करीब 10 बजकर 34 मिनट पर मौजपुर स्थित उधम रेस्टोरेंट के किचन में आग लगी थी। आग की सूचना मिलने पर दमकल विभाग की एक गाड़ी मौके पर पहुंची। हालांकि, दमकल कर्मियों के पहुंचने से पहले ही रेस्टोरेंट के कर्मचारियों ने आग पर काबू पा लिया था। आग लगने के बाद रेस्टोरेंट में मौजूद लोगों के बीच घबराहट फैल गई। जान बचाने के लिए लोगों ने खिड़की से नीचे उतरने का रास्ता चुना। इस दौरान बच्चों को सुरक्षित निकालने की कोशिश भी की गई। पुलिस के अनुसार, हादसे में किसी के घायल होने की जानकारी नहीं मिली है। राहत की बात यह रही कि आग पर समय रहते काबू पा लिया गया और सभी लोग सुरक्षित बच गए। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, आग रेस्टोरेंट के किचन में लगी थी। जांच के बाद ही आग लगने की वास्तविक वजह स्पष्ट हो सकेगी।

राहुल के सामने छलका प्रदर्शनकारियों का दर्द, छात्राओं ने लगाए गंभीर आरोप

छात्राओं ने सुनाई आपबीती महिला पुलिसकर्मी पर भी लगाए आरोप

छात्रों ने हिरासत और मारपीट पर उठाए सवाल

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली में एसआईआर और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर हुए प्रदर्शन का मुद्दा एक बार फिर गरमा गया है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान प्रदर्शन में हिरासत में लिए गए लोगों को अपने साथ पेश किया। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने पुलिस पर मारपीट, अभद्रता और प्रताड़ित करने के गंभीर आरोप लगाए। प्रदर्शनकारियों के बयानों के बाद राजनीतिक माहौल गरमा गया है।

राहुल गांधी ने प्रदर्शनकारियों की बात सुनते हुए कहा कि देश की आवाज को दबाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने छात्रों से घटनाओं से जुड़े वीडियो और अन्य सबूत सुरक्षित रखने की अपील की। राहुल ने कहा कि इन सबूतों के आधार पर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की जाएगी, चाहे वे पुलिसकर्मी हों या कोई अन्य व्यक्ति। प्रदर्शनकारी ऋतु बराला ने आरोप लगाया कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन के दौरान उन्हें बस में बैठाया गया और बाहर निकलने की कोशिश करने पर उनके साथ मारपीट की गई। ऋतु के मुताबिक, महिला पुलिसकर्मी ने उनका गला दबाया, थप्पड़ मारे और बाल पकड़कर खींचा।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उन्हें सड़क पर घसीटा गया और निजी अंगों पर चोट पहुंचाई गई। एक अन्य प्रदर्शनकारी अतीरा ने दावा किया कि उन्हें पुलिस स्टेशन के बेसमेंट में ले जाकर पीटा गया, जहां सीसीटीवी कैमरे नहीं थे। उन्होंने अपनी आंख और मुंह पर चोट के निशान होने की बात भी कही। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है और पुलिस का पक्ष सामने आना बाकी है।

प्रदर्शनकारी रमित ने आरोप लगाया कि 11 अक्टूबर को उन्हें आरएसएस और भाजपा से जुड़े लोगों के कहने पर हिरासत में लिया गया। उन्होंने दावा किया कि पुलिस ने प्रदर्शनकारियों के साथ मारपीट की और उनके फोन छीन लिए। वहीं, धर्मेंद्र ने आरोप लगाया कि पुलिसकर्मियों ने उन्हें लात-घूंसों और थप्पड़ों से पीटा तथा धमकियां दीं।

राहुल गांधी ने कहा कि प्रदर्शनकारियों की आवाज और उनके साथ हुई कथित घटनाओं से जुड़े सबूतों को सुरक्षित रखा जाएगा। गौरतलब है कि इंडिया ब्लॉक और ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे के मुद्दे पर अब तक पांच प्रदर्शन कर चुका है। इस मामले में प्रदर्शनकारियों के आरोपों और पुलिस के आधिकारिक पक्ष पर आगे की

पायलट ने गलती से अलर्ट भेजने से किया इनकार जांच के बाद विमान को दिल्ली जाने की अनुमति

एअर इंडिया की फ्लाइट में हाइजैक अलर्ट

जयपुर में इमरजेंसी लैंडिंग

यूनिक समय, नई दिल्ली। फ्रैंकफर्ट से दिल्ली जा रही एअर इंडिया की फ्लाइट एआई-2030 की बुधवार सुबह जयपुर एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। विमान से अहमदाबाद एयर ट्रैफिक कंट्रोल को हाइजैक से जुड़ा स्क्वाक-7500 सिग्नल मिला था। इसके बाद सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गईं और विमान का रूट बदलकर जयपुर कर दिया गया। जांच के दौरान कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। शुरुआती जानकारी में आशंका जताई गई थी कि पायलट ने गलती से हाइजैक अलर्ट बटन दबा दिया था या तकनीकी गड़बड़ी के कारण सिग्नल भेजा गया। हालांकि, पूछताछ के दौरान पायलट ने कथित तौर पर कहा कि इसमें उसकी कोई गलती नहीं है। मामले में आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है। जयपुर एयरपोर्ट पर सीआईएसएफ समेत विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों ने विमान की जांच की। करीब ढाई घंटे तक चली जांच में कुछ संदिग्ध नहीं मिला। इसके बाद विमान को दिल्ली जाने की अनुमति दिए जाने की जानकारी सामने आई। गौरतलब है कि 30 सितंबर को फ्लाईदुबई की एक फ्लाइट से भी स्क्वाक-7500 सिग्नल भेजे जाने की घटना सामने आई थी। ऐसे में सुरक्षा एजेंसियां इस मामले को गंभीरता से जांच रही हैं।

कोच्चि में यहूदी प्रार्थनास्थल के पास आगजनी, आरोपी गिरफ्तार

यूनिक समय, नई दिल्ली। केरल के कोच्चि में यहूदी प्रार्थनास्थल कडावुभागम सिनेगॉग के पास एक नर्सरी में आग लगाने के मामले में पुलिस ने 32 वर्षीय एबिन बी पॉल को गिरफ्तार किया है। यह घटना 12 अक्टूबर को एर्नाकुलम मार्केट के पास हुई थी। पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने कथित तौर पर पेट्रोल डालकर नर्सरी में आग लगाई और घटना का वीडियो भी बनाया। सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी विश्लेषण और साइबर जांच के आधार पर पुलिस आरोपी तक पहुंची। जांच के दौरान उसके मोबाइल फोन से संदिग्ध ऑनलाइन बातचीत, संभावित अन्य ठिकानों का जिक्र और क्रिप्टोकरेंसी के जरिए भुगतान से जुड़े संकेत मिलने की बात सामने आई है। हालांकि, किसी अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क या आतंकी साजिश से संबंध की अभी पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि आरोपी का मुवाट्टुपुझा में हुई आगजनी की एक पुरानी घटना से कोई संबंध है या नहीं। अधिकारियों के अनुसार, उसके डिजिटल उपकरणों से पुराने मामले से जुड़े संभावित वीडियो भी मिले हैं। इसके अलावा, मोबाइल में नशीले पदार्थों के लेन-देन से संबंधित संदिग्ध बातचीत मिलने की जानकारी दी गई है। आरोपी के घर से कई तरह के संदिग्ध नशीले पदार्थ बरामद होने के बाद एनडीपीएस एक्ट के तहत अलग मामला भी दर्ज किया गया है। पुलिस की विशेष जांच टीम डिजिटल साक्ष्यों, वित्तीय लेन-देन और संभावित विदेशी संपर्कों की पड़ताल कर रही है। केंद्रीय एजेंसियां भी मामले से जुड़े संदिग्ध अंतरराष्ट्रीय कनेक्शन की जांच कर रही हैं।

बॉर्डर पर शांति के बिना चीन से रिश्ते सामान्य नहीं होंगे: जयशंकर

विदेश मंत्री ने कहा सीमा पर तनाव का असर द्विपक्षीय संबंधों पर पड़ता है

व्यापार और निवेश के मुद्दों पर अलग से होगी बातचीत

यूनिक समय, नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने चीन को स्पष्ट संदेश देते हुए कहा है कि सीमा पर शांति और स्थिरता के बिना दोनों देशों के रिश्तों को सामान्य बनाना मुश्किल है। उन्होंने कहा कि बॉर्डर पर किसी भी तरह की गड़बड़ी का असर द्विपक्षीय संबंधों पर पड़ता है। वर्ष 1975 से 2020 तक सीमा पर कोई जानलेवा झड़प नहीं हुई थी, लेकिन 2020 में तनाव बढ़ने के बाद दोनों देशों के सैनिकों के बीच संघर्ष हुआ, जिसमें दोनों तरफ के जवानों की मौत हुई। उन्होंने कहा कि सीमा पर शांति भंग होने के परिणाम कई वर्षों तक दिखाई दिए और हालात सामान्य करने के लिए दोनों पक्षों के बीच चार साल तक बातचीत चली।

विदेश मंत्री ने भारत और चीन के बीच व्यापार असंतुलन का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि भारतीय कंपनियों को चीन के बाजार में पर्याप्त पहुंच नहीं मिलती, जबकि भारत ने चीनी कंपनियों को अपने बाजार में अवसर दिए हैं। जयशंकर के मुताबिक, सीमा विवाद, व्यापार, बाजार पहुंच और निवेश से जुड़े मुद्दों पर अलग-अलग तरीके से बातचीत की जा सकती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि कारोबार के लिए सीमा विवाद का पूरी तरह समाधान जरूरी बताने के बजाय भारत सीमा पर शांति बनाए रखने पर जोर दे रहा है।

आंध्र प्रदेश में गूगल डेटा सेंटर से पर्यावरण पर संकट, ग्रामीण चिंतित

जंगल की कटाई और पानी की कमी से ग्रामीण परेशान

गूगल का दावा, एयर कूलिंग से बचेगा पानी

यूनिक समय, नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में गूगल का करीब 15 अरब डॉलर यानी लगभग 1.3 लाख करोड़ रुपये का डेटा सेंटर प्रोजेक्ट चर्चा में है। इस परियोजना के तहत तीन कैंपस बनाए जा रहे हैं। राज्य सरकार ने तीन गांवों की 586 एकड़ जमीन परियोजना के लिए दी है। अदाविवरम-मुदासरलोवा गांव में निर्माण कार्य शुरू हो चुका है। हालांकि, परियोजना को लेकर जंगलों की कटाई, पानी की उपलब्धता और स्थानीय लोगों की आजीविका पर असर पड़ने की आशंकाएं जताई जा रही हैं। आरोप है कि परियोजना के लिए करीब 160 एकड़ जंगल साफ किया गया और जमीन समतल करने के लिए पहाड़ी हिस्सों को काटा गया। पर्यावरणविदों ने वन्यजीव अभयारण्य और जलाशय के नजदीक निर्माण को लेकर चिंता जताई है। वहीं, ग्रामीणों का कहना है कि परियोजना के लिए ली गई जमीन उनकी आजीविका का महत्वपूर्ण साधन थी। स्थानीय लोगों ने जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया पर सवाल उठाए हैं। तरलुवाड़ा की पूर्व सरपंच पायला कोंडम्मा के मुताबिक, सर्वे के दौरान अधिकारियों ने जमीन उनके पास रहने का भरोसा दिया था। किसान अप्पलाराजू ने भी वर्षों पहले आवंटित जमीन लिए जाने का आरोप लगाया है। परियोजना को लेकर सबसे बड़ी चिंता पानी की खपत को लेकर है। स्थानीय जलस्रोतों पर संभावित दबाव के सवाल उठ रहे हैं। पर्यावरणीय मंजूरियों को चुनौती देने वाली जनहित याचिका पर आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट में सुनवाई भी हुई है। गूगल का कहना है कि पानी की उपलब्धता और स्थानीय परिस्थितियों का आकलन करने के बाद एयर-कूलिंग तकनीक अपनाने का फैसला किया गया है। कंपनी के मुताबिक, इस तकनीक में पारंपरिक लिक्विड कूलिंग की तुलना में कम पानी की जरूरत होगी। हालांकि, इससे पूरे परिसर में पानी की खपत शून्य नहीं होगी। यह परियोजना 2028 तक चालू होने की उम्मीद है। इससे स्थानीय रोजगार और आर्थिक गतिविधियां बढ़ने का अनुमान है। अब देखना होगा कि विकास के साथ पर्यावरण संरक्षण और ग्रामीणों के हितों के बीच संतुलन कैसे बनाया जाता है।

पाकिस्तान में हर 16वां बच्चा ऑनलाइन यौन शोषण का शिकार

यूनिक समय, नई दिल्ली। पाकिस्तान में बच्चों के ऑनलाइन यौन शोषण को लेकर एक चौंकाने वाली स्टडी सामने आई है। यूनिसेफ, ईसीपीएटी इंटरनेशनल और इंटरपोल की संयुक्त रिपोर्ट के मुताबिक, एक साल के दौरान देश में करीब 15 लाख इंटरनेट इस्तेमाल करने वाले बच्चे ऑनलाइन यौन शोषण का शिकार हुए। अध्ययन में 12 से 17 वर्ष के बच्चों पर ध्यान दिया गया। रिपोर्ट के अनुसार, लगभग हर 16 में से एक बच्चा इस खतरे का सामना करता है और करीब 85 प्रतिशत मामलों में आरोपी पीड़ित का परिचित होता है। स्टडी में सोशल मीडिया को शोषण का सबसे आम माध्यम बताया गया है। बच्चों ने जिन घटनाओं की जानकारी दी, उनमें 44 प्रतिशत मामले सोशल मीडिया से जुड़े थे। इनमें अश्लील संदेश या तस्वीरें भेजना, निजी तस्वीरें मांगना, बिना सहमति तस्वीरें साझा करना और ब्लैकमेल करना शामिल है। रिपोर्ट के मुताबिक, डर, बदनामी और परिवार की प्रतिक्रिया की आशंका के कारण आधे से ज्यादा बच्चे अपने अनुभव किसी को नहीं बताते।

एथलेटिक्स में मांट के बालक नौहझील की बालिकाएं बनीं चैंपियन

यूनिक समय, मथुरा। गणेशरा स्टेडियम में आयोजित तीन दिवसीय 70वीं जनपदीय माध्यमिक विद्यालय एथलेटिक्स प्रतियोगिता का बुधवार को सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ समापन हुआ। बालक वर्ग में मांट की टीम ओवरऑल विजेता बनी, जबकि महावन और फरह ने संयुक्त रूप से दूसरा स्थान प्राप्त किया। बालिका वर्ग में नौहझील की टीम ने बाजी मारी और उसपार की टीम दूसरे स्थान पर रही। प्रतियोगिता में 50 विद्यालयों के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया।

समापन समारोह में महाराजा अग्रसेन इंटर कॉलेज की छात्राओं ने सरस्वती वंदना और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया। मुख्य अतिथि जिला विद्यालय निरीक्षक

एथलेटिक्स प्रतियोगिता में प्रथम ,द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली बालिकाओं के साथ जिला विद्यालय निरीक्षक राघवेंद्र सिंह , जिला कीड़ा अधिकारी आजाद सिंह, प्रभारी बीएसए विनय प्रताप आदि।

राघवेंद्र सिंह, जिला क्रीड़ा अधिकारी आजाद सिंह और खंड शिक्षा अधिकारी- प्रभारी बीएसए प्रताप सिंह ने विजेता खिलाड़ियों को शील्ड और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम संयोजक बदन सिंह और मनवीर सिंह ने अतिथियों का पटका पहनाकर-स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया।

डीआईओएस राघवेंद्र सिंह ने कहा कि विद्यार्थियों के लिए शिक्षा के साथ खेल भी जरूरी हैं। खेलों से शारीरिक फिटनेस बनी रहती है और मानसिक विकास को बढ़ावा मिलता है। इस

50 विद्यालयों के खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम, शील्ड और प्रमाण पत्र देकर किया सम्मानित

अवसर पर देव प्रकाश, पदम सिंह, देशराज सिंह, सुरेश सिंह तोमर, दिनेश सिंह राणा, निरंजन सोलंकी, संजय सिंह, शालिनी अग्रवाल, गोवर्धन दास गुप्ता, कमल कुमार गौड़, चंद्रभान यादव, निखिल अग्रवाल, महिपाल सिंह, श्यामवीर सिंह, अतुल कुमार, रतना सिंह, विमल प्रकाश सिंह, विनीश शर्मा और गोविंद गौतम सहित शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

बीएसए कॉलेज में 2जी से 5जी तक की संचार तकनीक पर व्याख्यान

मुख्य वक्ता सूर्यकांत को सम्मानित करते हुए चेयरमैन ई. नितिन मित्तल ।

यूनिक समय, मथुरा। बीएसए कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों के लिए 'मोबाइल संचार की विकास यात्रा : 2जी से 5जी और उससे आगे' विषय पर अतिथि व्याख्यान आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता भारतीय दूरसंचार सेवा के पूर्व मुख्य महाप्रबंधक सूर्यकांत ने विद्यार्थियों को मोबाइल संचार तकनीक के विकास और भविष्य की संभावनाओं की जानकारी दी।

सूर्यकांत ने 2जी, 3जी, 4जी और 5जी तकनीकों की विशेषताओं व्यावहारिक उपयोगों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि मोबाइल संचार ने शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग, व्यापार और दैनिक जीवन में व्यापक बदलाव किए हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को नवाचार अपनाने और तकनीकी क्षेत्र में निरंतर सीखते रहने के लिए प्रेरित किया।

विद्यार्थियों को आधुनिक दूरसंचार प्रणालियों और भविष्य की तकनीकों की दी जानकारी

संस्थान के चेयरमैन इं. नितिन मित्तल ने कहा कि विद्यार्थियों को नवीनतम संचार तकनीकों और अनुसंधान के प्रति जागरूक रहकर अपने कौशल का विकास करना चाहिए।

वाइस चेयरमैन विशाल बंसल, निदेशक प्रो. श्यामसुंदर अग्रवाल, डीन एकेडमिक प्रो. लोकेन्द्र शर्मा और वरिष्ठ रजिस्ट्रार भगवान सिंह ने कार्यक्रम की सराहना की। इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन विभागाध्यक्ष रंजीत सिंह, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभागाध्यक्ष दुष्यंत बंसल ने मुख्य वक्ता सूर्यकांत के प्रति आभार व्यक्त किया।

18 राजकुमारों और तीन देवियों को भेंट किए स्मृति चिन्ह

महाराजा अग्रसेन बने गोवर्धन दास अग्रवाल को सम्मानित करते समाजसेवी प्रमोद गर्ग कसेरे।

यूनिक समय, मथुरा। महाराजा अग्रसेन की शोभायात्रा के समापन के बाद होली गेट स्थित अप्सरा पैलेस में अग्रवाल समाज के लिए समाज भोज का आयोजन किया गया। समाजसेवी-जल पुरुष प्रमोद गर्ग कसेरे के संयोजन में आयोजित कार्यक्रम में महाराजा अग्रसेन, 18 राजकुमारों और तीन देवियों का स्वागत किया गया।

इस दौरान प्रमोद गर्ग कसेरे ने महाराजा अग्रसेन- गोवर्धन दास अग्रवाल (नीनू मुकुट वालों) सहित 18 राजकुमारों और तीन देवियों को स्मृति चिन्ह भेंट किए और आशीर्वाद लिया। कार्यक्रम में अग्रवाल समाज के लोगों ने उत्साह के साथ भाग लेकर सामाजिक एकता और समरसता का संदेश दिया। समाज भोज के दौरान अग्रवाल सभा और तिलक द्वार अग्रवाल धर्मशाला के पदाधिकारियों ने प्रमोद गर्ग कसेरे को स्मृति चिन्ह भेंट कर, पटुका

समाजसेवी प्रमोद गर्ग कसेरे का पटुका ओढ़ाकर सम्मान

ओढ़ाकर सम्मानित किया। अग्रवाल सभा के मुख्य चुनाव अधिकारी जयंती प्रसाद अग्रवाल ने कहा कि प्रमोद गर्ग कसेरे महाराजा अग्रसेन के आदर्शों और समाजसेवा की भावना को आत्मसात कर उनके बताए मार्ग पर चल रहे हैं।

समाज के प्रति उनका समर्पण सराहनीय है। कार्यक्रम में अग्रवाल सभा के अध्यक्ष अशोक बंसल, प्रधानमंत्री सुभाष सिक्का, तिलक द्वार अग्रवाल धर्मशाला के अध्यक्ष हरिओम मित्तल, प्रधानमंत्री कृष्ण मुरारी सर्राफ, पूर्व मंत्री रविकांत गर्ग, डॉ. अशोक अग्रवाल और सपा नेता रितु गोयल सहित समाज के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

दुराचारी गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। गोवर्धन पुलिस ने एक नाबालिग को भगा कर ले जाने और उसके साथ दुराचार करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इस मामले में वांछित चल रहे अभियुक्त आशिक उर्फ आकाश निवासी बीच का नगला तईयापुर थाना जमुनापार को महमदपुर चौराहे से जमुनामता जाने वाले बाईपास मार्ग से गिरफ्तार किया है।

ई-रिक्शा को वाहन ने मारी टक्कर, पिता की मौत-बेटी घायल

यूनिक समय, मथुरा। राष्ट्रीय राजमार्ग पर ई-रिक्शा को किसी वाहन ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में ई-रिक्शा में सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई और उसकी बेटी घायल हो गई।

बताया गया कि मुकेश चतुर्वेदी (40) निवासी दिल्ली वाला मौहल्ला गली जीवन लाल अपने भाई और बेटी के साथ कल केडी मेडिकल कालेज से दवा लेने के लिए आये थे। बताया गया कि दवा लेने के बाद वह ई-रिक्शा से मथुरा के लिए लौट रहे थे। रास्ते में राष्ट्रीय राजमार्ग पर जैंत क्षेत्र में ई-रिक्शा को किसी वाहन ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में मुकेश चतुर्वेदी की मौके पर ही मौत हो गई। उनकी बेटी घायल हो गई। दुर्घटना का पता लगने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

अग्रसेन शोभायात्रा का जनकल्याण समिति ने किया भव्य स्वागत

महाराजा अग्रसेन और 18 राजकुमारों को भेंट किए उपहार, आरती उतारकर बांटा प्रसाद

यूनिक समय, मथुरा। महाराजा अग्रसेन की 5150वीं जयंती के अवसर पर अग्रवाल सभा (रजि.) मथुरा द्वारा निकाली गई विशाल शोभायात्रा का भरतपुर गेट स्थित मधु डेंटल केयर पर श्री अग्रवाल जनकल्याण समिति ने भव्य स्वागत-सम्मान किया। समिति विकास बाजार स्थित अंतिम संस्कार सामग्री सुविधा केंद्र, मोक्ष वाहन और एसी बॉक्स का संचालन करती है।

कार्यक्रम संयोजक योगेंद्र ट्रेजरी और कैलाश सिल्क्रीन ने बताया कि शोभायात्रा में शामिल महाराजा अग्रसेन, 18 राजकुमारों, कुलदेवी महालक्ष्मी, विद्यादायिनी मां सरस्वती और मां दुर्गा को उपहार भेंट किए गए। इस दौरान महाराजा अग्रसेन के डोले की आरती उतारी गई और उपस्थित लोगों को

अग्रसेन शोभायात्रा में कुलदेवी मां लक्ष्मी का स्वागत करते हुए संयोजकगण योगेन्द्र ट्रेजरी और कैलाश सिल्क्रीन।

प्रसाद वितरित किया गया। अध्यक्षता-संचालन समिति अध्यक्ष डॉ. अशोक अग्रवाल ने किया। व्यवस्था डॉ. राहुल ने संभाली।

इस अवसर पर सुनील बंसल एडवोकेट, आनंद बर्तन, घनश्याम बंसल, राजीव गोयल, रमन लाल गुप्ता, मनीष अग्रवाल और राजकुमार अग्रवाल उपस्थित रहे।

खंडेलवाल महिला मंडल का डांडिया उत्सव धूमधाम से संपन्न

खंडेलवाल महिला मंडल की ओर से आयोजित कार्यक्रम में डांडिया खेलती खंडेलवाल समाज की महिलाएं।

यूनिक समय, मथुरा। खंडेलवाल महिला मंडल द्वारा डांडिया उत्सव का भव्य आयोजन हर्षोल्लास-उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन-भगवान श्री गणेश की वंदना के साथ हुआ। इसके पश्चात माता रानी के जयकारों और भक्तिमय वातावरण के बीच कार्यक्रम को आगे बढ़ाया गया।

मीडिया प्रभारी प्रीति खंडेलवाल ने बताया कि कार्यक्रम में रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, मनोरंजक खेल-फन एक्टिविटीज आयोजित की गईं। लाइव डांडिया संगीत की धुनों पर उपस्थित सदस्यों एवं परिवारजनों ने उत्साहपूर्वक डांडिया खेला और पूरे कार्यक्रम का भरपूर आनंद लिया। मंडल की अध्यक्ष रमा, खण्डेलवाल महामंत्री पल्लवी खंडेलवाल सहित मंडल के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम में संरक्षक श्याम खंडेलवाल ,अमत खंडेलवाल , राजकुमार खंडेलवाल, अनुज, संरक्षिका राज खंडेलवाल , सरिता खंडेलवाल , मीरा खंडेलवाल, रजनी सहित अन्य गणमान्य सदस्यों की उपस्थिति रही।

महिला मंडल की ओर से प्रीति

दीप प्रज्वलन एवं गणेश वंदना के साथ हुआ शुभारंभ

रंगारंग प्रस्तुतियों और लाइव डांडिया ने बांधा समां

संध्या शिल्पी, गुंजन, सलोनी, पूजा, ममता, रुचि, भावना, मीनाक्षी, शालिनी, रितु, निधि, योगिता, लक्ष्मी, बबीता, देविका, सौम्या, रितु, रेखा, शिल्पा रश्मि नमिता, ऊ षा, रजनी सहित अनेक सदस्यों ने कार्यक्रम में सहभागिता की और आयोजन को सफल बनाने में अपना योगदान दिया। महामंत्री पल्लवी द्वारा आयोजन के समापन की घोषणा की गई।

अध्यक्ष रमा ने सभी अतिथियों, संरक्षकों, सदस्यों-उपस्थित परिवारजनों का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद दिया।

मांगों को लेकर सीएमओ कार्यालय पर एएनएम संविदा कर्मचारियों का धरना-प्रदर्शन

मांगों को लेकर सीएमओ कार्यालय में बैठे एएनएम के संविदा कर्मचारी।

यूनिक समय, मथुरा। अपनी मांगों को लेकर संविदा कर्मचारियों ने सीएमओ कार्यालय पर धरना-प्रदर्शन किया। इस दौरान कर्मचारियों ने नारेबाजी कर अपनी मांगों को पूरा करने की आवाज उठाई। एएनएम के संविदा कर्मचारियों का कहना है कि वे लंबे समय से अपनी मांगों को लेकर आवाज उठा रहे हैं।

धरना-प्रदर्शन के दौरान कर्मचारियों ने एकजुट होकर अपनी बात रखी और मांगों को पूरा करने की मांग की।